AARSH BOOKS

Active English

Teacher's Resource Book

Class 8

Active English-8

1. True Friends

हिन्दी अनुवाद

प्रत्येक व्यक्ति जो तुम्हारी चापलूसी करता है
परेशानी में वह मित्र नहीं होता
शब्द हवा की भाँति हल्के होते है;
वफादार मित्र मिलना मुश्किल हैं।

सभी तुम्हारे मित्र होंगे
जब तक तुम्हारे पास खर्च करने के लिए धन है;
पर यदि तुम्हारे पास धन कम है
कोई भी व्यक्ति तुम्हारी इच्छापूर्ति नहीं करेगा।

यदि कोई खर्चीला होगा
वे उसे उदारतापूर्ण कहेंगे;
और ऐसी चापलूसी के साथ,
'तरस आता है कि वह राजा नहीं है'।

पर यदि किस्मत भौंहे चढ़ा ले
तो उसका राज प्रसिद्धि समाप्त हो जाएगी;
वे जो पहले चापलूसी किया करते थे
उसके साथ रहना पसन्द नहीं करेंगे।

जो वास्तव में तुम्हारा मित्र होगा,
वे तुम्हारी आवश्यकता पड़ने पर सहायता करेगा;
यदि तुम दु:खी होगे, वो रोएगा;
यदि तुम जागोगे, वो नहीं सोएगा,

अत: तुम्हारे हृदय के प्रत्येक दु:ख में
वह तुम्हारे साथ उसका सहभागी होगा,
ये कुछ चिह्न हैं जानने के लिए
वफादार मित्र को चापलूस शत्रुओं से।

—विलियम शेक्सपियर

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (a), **3.** (c).

II. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. T, **2.** F, **3.** T, **4.** T, **5.** F.

III. Answer the following questions :

1. A friend who flatters is no friend in misery.

2. As long as we are affluent, everyone will be our friend.

3. The true friend is one who helps us in need, and shares our griefs and miseries.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

company, crown, prodigal, frown, supply, faithful, misery, Friend.

V. Match the words with their meanings as used in the text :

flatter	**fawn**
misery	**grief**
bountiful	**prodigal**
renown	**fame**
foe	**enemy**
farewell	**departure**
scant (scanty)	**scarce**
want	**need**

Keep in Mind

VI. Write a paragraph on 'Your Best Friend'.

Students must do according to their best friend. They can take help from the given example :

My best friend name is Mohan Sharma. He is about fourteen years old. He is the monitor of my class. His father is a engineer and mother is a teacher. He is honest and faithful and regular in his works. He is religious also. He is also a captain of our cricket team. He is active and smart. He respects all elders and teachers. He always helps others in problems. He always stand by me in my needs. We never fight with each other. We love each other very much and will always be good friends whole life.

2. A Blood Relation

हिन्दी अनुवाद

रॉय तेजी से चल रहा था। वह 'भारतीय सामान्य ज्ञान परीक्षा' में भाग लेने जा रहा था। उसे विश्वास था कि वह सफल होगा और उसे छात्रवृत्ति मिलेगी।

जैसे ही वह मुख्य सड़क पर पहुँचा, तो उसने एक कार को तेजी से आते देखा। उसने सड़क पर लड़कों के एक समूह को भी देखा। अचानक कार ने एक लड़के को पीछे से टक्कर मार दी। कुछ लोग चिल्लाए और कार के पीछे भागे। ड्राइवर एक वृद्ध थे। उसने तुरन्त कार रोकी और नीचे उतरे। उन्होंने कहा कि गलती उनकी थी। उन्होंने समय पर ब्रेक नहीं लगाए।

रॉय परेशान दिख रहा था। वह लड़के के पास गया। लड़के के पास खड़े लोगों ने उसे रास्ता दिया। उन्होंने सोचा कि वह लड़के का मित्र या रिश्तेदार है। रॉय ने लड़के को देखा और कहा कि उसका पाँव टूट गया है। लड़के के जख्म से बहुत खून बह रहा था। रॉय समझ नहीं पा रहा था क्या करे।

ड्राइवर ने सुझाया कि लड़के को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। कुछ लोगों ने कहा कि ये पुलिस केस है और पहले उन्हें सूचना देनी चाहिए।

रॉय ने लोगों को शान्त किया और लड़के को देखा। लड़का बेहोश हो गया था। उसने महसूस किया कि लड़के को तुरन्त अस्पताल ले जाना चाहिए। उसने ड्राइवर को बुलाया और उसकी सहायता से लड़के को कार में अस्पताल चले गए।

अस्पताल में कार्यरत डॉक्टर ने लड़के का परीक्षण किया। उसने रॉय से कहा, "लड़के की टाँग टूट चुकी है और काफी खून बह चुका है। अच्छा हुआ कि तुम इसे समय रहते यहाँ ले आए। हमें उसके जीवन की रक्षा के लिए खून की आवश्यकता होगी।"

रॉय ने कहा कि वह सहर्ष खून दान कर देगा जिस पर डॉक्टर इस पर सहमत हो गए। उसके खून की जाँच हुई और वह मरीज के खून से मेल खा गया। डॉक्टर ने रॉय से बिस्तर पर लेट जाने को कहा और उसका खून मरीज के शरीर में चढ़ाया गया।

कुछ देर बाद लड़के के रिश्तेदार आ गए। उसके पिता श्रीमान सिंह ने रॉय के सिर पर हाथ रखा और बोले, "भगवान तुम्हें खुश रखे, मेरे बच्चे। तुमने मेरे पुत्र के जीवन की रक्षा की है। हम तुम्हारे बहुत आभारी हैं। देखो, तुम्हारा खून अब रोहित के शरीर में बह रहा है। तुम और रोहित अब भाई हो।" रॉय मुस्कराया क्योंकि सभी उसके साहस और हिम्मत की बातें कर रहे थे।

इस बीच, रॉय के माता-पिता आ गए। वे राय के पास गए और उसे गले लगा लिया। फिर वे रोहित की तरफ मुड़े, उससे पूछा कि अब वह कैसा है। वे यह जानकर खुश हुए कि वह ठीक था। फिर वे रोहित के माता-पिता से मिले जिन्होंने उनका धन्यवाद दिया। श्रीमान सिंह ने उन्हें पूरी कहानी सुनाई। जो लोग वहाँ उपस्थित थे उन्होंने देखा कि वे सभी एक परिवार के सदस्य की तरह लग रहे थे।

जब वे बात कर रहे थे, डॉक्टर और रॉय के प्रधानाध्यापक अन्दर आए। प्रधानाध्यापक, रॉय के पास गए और बोले, "बहुत अच्छे! मुझे तुम पर गर्व है, मेरे बच्चे। डॉक्टर ने मुझे सब बता दिया है। मैं जानता हूँ तुम परीक्षा में नहीं बैठ सके। चिन्ता मत करो। तुमने इससे भी महत्त्वपूर्ण परीक्षा उत्तीर्ण की है।" उसके माता-पिता की ओर मुड़ते हुए, उन्होंने कहा कि राय ने दूसरों के लिए एक उदाहरण पेश किया है।

राय की आँखों में खुशी व तसल्ली के आँसू थे।

अगली सुबह, प्रधानाध्यापक ने प्रार्थना सभा में छात्रों को सम्बोधित किया। उन्होंने बताया कि राय ने एक नेक काम किया है और बोले, "हमारी स्कूल कमेटी ने उसे साल का सर्वश्रेष्ठ छात्र का पुरस्कार दिया है।"

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (c), **3.** (c).

II. Answer the following questions :

1. Roy was walking fast.
2. A boy named Rohit was hurt in the car accident.
3. The people shouted and ran after the car.
4. The mistake that the driver had committed that he had not applied the brakes in time.
5. The boy's leg was fracture and lot of blood was coming out of his wounds. As a result, he had fainted.
6. The doctor on duty examined the boy. He tested the Roy's blood and transfused it into the patient's body.
7. Roy had donated his blood and saved the life of Rohit.
8. The headmaster said, "well done, Roy well done! I am proud of you, my child. The doctor has told me everything. I know you couldn't appear at the test. Don't worry. You have passed a more important test."

III. Name these :

1. Rohit's parents. (Mr. Singh and his wife)
2. 'His' is Roy. Patient is Rohit.
3. 'You' is Roy.
4. 'I' is Roy's headmaster. 'You' is Roy.

Language Skill Practice

IV. Match the related words or phrases as used in the text :

general knowledge	**test**
fractured	**his leg**
set	**an example**
made	**a mistake**
a lot of	**blood**
police	**case**
noble	**deed**
best	**student**

V. Correct the spellings :

wuonds **wounds** frachured **fractured** gantleman **gentleman** scolarship **scholarship** trafsued **transfused** appare **appear** .

Keep in Mind!

VI. Complete the passage by filling the blanks with the words given in the box below :

Some people don't follow the **traffic** rules. Some people **drive** very fast. These **two** are the main causes of road **accidents.** While **walking**, riding a bicycle, driving a scooter or **car,** we must follow traffic rules, otherwise we may **meet** with an accident and then it may become a **police** case.

3. Subhash Chandra Bose

हिन्दी अनुवाद

सुभाषचंद्र बोस, जो नेताजी के नाम से लोकप्रिय थे, का जन्म 23 जनवरी, 1897 में हुआ था। उनके पिता श्री जानकीनाथ बोस कटक के मशहूर और सफल वकील थे।

पाँच साल की आयु में, सुभाषचंद्र बोस का दाखिला बैप्टिस्ट मिशनरी स्कूल कटक में कराया गया। वे स्वयं सेवक दल से जुड़ना चाहते थे। लेकिन उन्हें बताया गया कि केवल आंग्ल-भारतीय बालक ही ऐसा कर सकते हैं। स्कूल में, उन्हें शीघ्र ही अहसास हो गया कि ब्रिटिश शासक भारतीयों के विरुद्ध भेद-भाव करते हैं।

ब्रिटिश शासकों के इस व्यवहार को अपने पिता से शिकायत करने पर तथा ऐसे स्कूल में पढ़ने की अनिच्छा के कारण, वर्ष 1909 में उन्हें रेवनशॉ कॉलेजिएट स्कूल में स्थानान्तरित कर दिया गया। इस स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री माधोदास ने नवयुवक सुभाष पर गहरी छाप छोड़ी। उन्हीं से ही सुभाष ने देशभक्ति की भावना पढ़ी और विकसित की। पन्द्रह वर्ष की आयु में, सुभाष ने विवेकानन्द के भाषण और लेखन पढ़ने आरम्भ कर दिए। इन भाषणों और लेखनों ने सुभाष को सिखाया कि आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए हमें सांसारिक वस्तुओं को त्यागना होगा। उन्होंने योग करना आरम्भ कर दिया।

मैट्रिक उत्तीर्ण करने के बाद सुभाष प्रेसिडेन्सी कॉलेज, कलकत्ता (अब कोलकाता) में दखिला लिया। यहाँ इन्होंने श्री अरबिन्दो के कार्यों को पढ़ा। सुभाष अब तक जान चुके थे कि मानवता की सेवा सर्वोत्तम है। रविवार तथा अवकाशों को सुभाष और उनके मित्र गरीबों के लिए धन और भोजन एकत्रित करते थे।

सत्तरह वर्ष की आयु में सुभाष ऋषिकेष, हरिद्वार और अन्य पवित्र स्थलों में गुरु की खोज में चले गए। हालाँकि उनकी खोज व्यर्थ गयी और वे शीघ्र वापस आ गए, तब उन्हें अहसास हुआ कि गुरु की खोज व्यर्थ है। वर्ष 1915 में इण्टरमीडिएट परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, सुभाष को दर्शनशास्त्र (ऑनर्स) में दाखिला दिया गया।

ई० एफ० ओटेन, सुभाष के कॉलेज का एक प्रोफेसर, भारतीय छात्रों को तिरस्कार की भावना से देखता था तथा उन्हें डाँटता और परेशान करता था। सुभाषचंद्र प्रोफेसर के इस व्यवहार को सहन नहीं कर सके और इस गुस्ताखी के लिए उन्हें थप्पड़ जड़ दिया। परिणामस्वरूप, सुभाष को कॉलेज से निकाल दिया गया। वह कटक वापस आ गए और अपने खाली समय में एक स्थानीय अस्पताल में गरीब मरीजों की देखभाल करने लगे।

दो कीमती वर्ष खोने के बाद, सुभाष ने स्कॉटिश चर्च कॉलेज में दाखिला लिया, जहाँ से उन्होंने बी०ए०, प्रथम श्रेणी में ऑनर्स के साथ उत्तीर्ण किया। उन्हें उनकी इच्छा के विरुद्ध इंग्लैण्ड आई०सी०एस० की तैयारी के लिए भेजा गया। इंग्लैण्ड में उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में दखिला लिया। उन्होंने आई०सी०एस० उत्तीर्ण कर साम्राज्यवादी सरकार को सत्ता से हटाने का निश्चय किया। फलस्वरूप उन्होंने आई०सी०एस० से त्यागपत्र दे दिया और भारत लौट आए। वे 16 जुलाई, 1921 को भारत वापस आए और उन्होंने शीघ्र ही गाँधी जी से मुलाकात की। जिन्होंने उन्हें देशबन्धु चितरंजनदास से कलकत्ता में मिलने को कहा।

सुभाषचंद्र बोस देशबंधु से मिले और दोनों ने भारत की स्वतन्त्रता के लिए मिलकर कार्य किया। वर्ष 1921 में जब उन्होंने वेल्स के राजकुमार के दौरे का बहिष्कार किया तब उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

सुभाष और गाँधी जी की स्वतन्त्रता प्राप्ति के बारे में अलग तथा विरोधात्मक विचारधाराएँ थीं। जहाँ सुभाष उसे ताकत द्वारा प्राप्त करना चाहते थे, वहीं गाँधी जी उसे अहिंसा द्वारा प्राप्त करने में विश्वास रखते थे। जब गाँधी जी ने चौरी-चौरा पुलिस हत्याकांड के विरोध में असहयोग आन्दोलन खत्म किया तब देशबंधु और सुभाष गाँधी जी से सहमत नहीं हुए।

जेल से छूटने के बाद, देशबंधु और मोतीलाल नेहरू ने स्वराज पार्टी बनाई।

इसी बीच सुभाषचंद्र बोस को एक संगठन का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया। सुभाष इस आशंका के चलते कि वे क्रांतिकारियों के साथ थे, दोबारा जेल भेज दिए गए। उन्हें माण्डले जेल भेजा गया, जहाँ उन्होंने ढाई वर्ष व्यतीत किए। देशबंधु की वर्ष 1925 में मृत्यु हो गयी। सुभाष को इस सूचना से बड़ा झटका लगा। जब सुभाष वर्ष 1927 में जेल से बाहर आए, वे दोबारा सक्रिय राजनीति में कूद पड़े।

बार-बार कारावास में बंद रहने के कारण, नेताजी की तबियत बिगड़ने लगी और वर्ष 1938 में उन्हें उपचार के लिए यूरोप जाना पड़ा। यूरोप के प्रवास के दौरान ही उन्हें गुजरात में हरीपुरा सत्र के लिए कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया। उन्हे दोबारा अगले सत्र में मध्य प्रदेश में कांग्रेस अध्यक्ष चुन लिया गया।

वर्ष 1940 में, ग्यारहवीं बार नेताजी को गिरफ्तार कर लिया गया और वे अपनी रिहाई के लिए भूख हड़ताल पर बैठ गए। उनके मरने के डर से, ब्रिटिश सरकार ने उन्हें कैद से रिहा कर दिया।

वर्ष 1941 में, सुभाष कलकत्ता (कोलकाता) छोड़कर काबुल चले गए। काबुल में इटली के दूतावास ने उन्हें यूरोप जाने में मदद की। जर्मनी में सुभाष ने भारतीय कैदियों के साथ, जो विभिन्न यूरोपीय और मध्य-पूर्व के युद्धक्षेत्र से जर्मनी लाए गए थे, प्रथम भारतीय राष्ट्रीय सेना बनायी। जर्मनी में, नेताजी प्राय: भारत में जर्मनी रेडियो स्टेशन पर प्रसारण देते थे। आजाद हिंद रेडियो के सम्बन्ध में उन्होंने अपने देशवासियों को बताया कि ब्रिटिशराज के दिन भारत में अब समाप्त होने को हैं।

सुभाषचंद्र ने जर्मनी को छोड़ दिया और जून, 1943 में जापान पहुँच गए। यहाँ वे जापान के प्रधानमन्त्री, जनरल टोजो से, जापान में भारत को मुक्त कराने के सम्बन्ध में मिले। यहाँ से वे सिंगापुर चले गए और भारतीय राष्ट्रीय सेना की कमान अपने हाथ में ली, जिसका संगठन पूर्व में रासबिहारी बोस और जनरल मोहन सिंह ने किया था। आई०एन०ए० ने बर्मा सीमा पार की और 18 मार्च, 1944 में भारत तक पहुँच गई।

दुर्भाग्यवश, आई० एन० ए० को 16 अगस्त, 1945 को पीछे हटना पड़ा। नेताजी, सिंगापुर से अज्ञात स्थान के लिए चले गए। उनके जाने के कुछ दिन बाद, टोक्यो रेडियो प्रसारण ने फार्मोसा में 28 अगस्त, 1945 को नेताजी की हवाई जहाज दुर्घटना में मृत्यु की सूचना प्रसारित की।

सुभाषचंद्र बोस ने हमें प्रख्यात नारा 'जय हिंद!' दिया। 23 जनवरी, 1997 को पूरे उल्लास के साथ उनकी जन्मशताब्दी मनायी गयी। भारत सरकार ने नेताजी की जन्मशताब्दी की याद में इसे राष्ट्रीय अवकाश घोषित कर दिया। इस दिन नेताजी को सभी याद करते हैं। निश्चित रूप से नेताजी आधुनिक भारत के सर्वश्रेष्ठ पुत्रों में से एक हैं तथा उनका जीवन और कृत्य सदैव देशभक्तों को प्रेरणा देते रहेंगे।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (a), **3.** (b), **4.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. works, **2.** Kabul, **3.** 1897, **4.** voluntary, **5.** contradictory.

III. Answer the following questions :

1. After realising the British ruler's discrimination against the Indians Subhash shifted from Baptist Missionary School to Ravenshaw Collegiate School.

2. Vivekananda's speeches and writings taught Subhash that one should give up worldly things in order to lead a spiritual life.

3. Subhash slapped professor Oaten for his insolence to Indian students. As a consequence, he was expelled from the college.

4. Gandhiji asked Subhash to meet Deshbandhu Chittaranjan Das at Calcutta so that they both could work together for the freedom of India.

5. Subhash and Gandhiji had different and contradictory ideologies regarding attainment of freedom. Subhash believed in attaining it by force while Gandhiji believed in attaining it through non-violence.

6. Subhash resigned from the I.C.S. because he wanted to work for the overthrown of British Government in India.

7. Subhash Chandra Bose's birth centenary was celebrated all over the country on January 23, 1997.

8. Subhash Chandra Bose gave the famous slogan 'Jai Hind!' to his countrymen.

9. Subhash formed the first Indian National Army with Indian prisoners of war who were brought to Germany from various European and Middle-East war fields.

10. On August 28, 1945, Tokyo Radio broadcasted the sad news of Netaji's death in an air crash in Formosa.

Language Skill Practice

IV. Match the words with their opposites :

known	unknown
end	initiate
old	young
forgot	remember
notorious	famous
cruelty	humanity

V. Complete the spellings :

congress, matriculation, patriots, British, politics, patriotism.

Keep in Mind!

VI. Complete the passage by filling the blanks with the words given in the box :

Mahatma Gandhi believed in **non-violence,** but Subhash Chandra Bose believed in **force.** He said : Give me **blood,** I will give you **freedom.** He formed the Indian National **Army.**The Indian National Army crossed Burma **border,** and reached India in 1944. He died in an air **crash,** but his body was never **traced.**

4. Uncle Rajan's Fishpond

हिन्दी अनुवाद

पिछले बुधवार को अवकाश था। मेरा छोटा भाई रोहित और मैंने अपना दिन अनुराधा के संग बिताया। वह मेरी सहपाठी है और हम उसे अनु बुलाते हैं। उसके पिता, श्री स्वामीनाथन, न्यायाधीश हैं। उस दिन वे घर पर नहीं थे। अनु की माता और अंकल राजन वहीं थे और मैंने उनके साथ स्वादिष्ट भोजन किया।

दोपहर को, मैं अनुराधा के साथ उसके बगीचे में टहली। वह एक बड़ा बगीचा है जिसमें हरा-भरा उद्यान और रंगीन मछलियों का एक मछलीघर है। मुझे उन्हें देखना अच्छा लगा; वे हर समय तैर रही थीं।

मैंने अनु से पूछा, "मछली कैसे तैरती है?"

अनु ने समझाया, "उसके पेट में एक वायुयुक्त ब्लैडर होता है। वह वायु से भरा होता है और मछली उसकी सहायता से तैर सकती है।"

मैंने पूछा, "वह कितनी तेज तैर सकती है?" अनु ने कहा, "मैं माफी चाहती हूँ, मुझे नहीं पता। चलो अंकल राजन के पास चलें और उनसे पूछें। वे मछली के बारे में बहुत कुछ जानते हैं।"

मैंने कहा, "ठीक है, चलो उनके पास चलें। वे क्या करते हैं?" अनु ने उत्तर दिया, "वे एक नाविक हैं। वे संसार के चारों ओर कई चक्कर लगा चुके हैं और काफी कुछ जानते हैं।"

जब हम अन्दर गए, अंकल राजन आरामकुर्सी में बैठे पत्रिका पढ़ रहे थे। वे किताब और पत्रिका पढ़ना पसन्द करते थे। उन्होंने चश्मा लगा रखा था। कुछ महीनों पहले वे चश्मे के बिना पढ़ सकते थे पर अब उन्हें उसकी आवश्यकता पड़ती है। उसके बिना वे नहीं पढ़ सकते।

अनु ने कहा, "अंकल क्या हम अन्दर आ सकते हैं? मेरे साथ मेरे मित्र हैं।"

अंकल राजन ने कहा, "आप सादर आमंत्रित हो, छोटी बच्ची। अन्दर आओ।" फिर वे मेरी तरफ मुड़े और बोले, "क्या मैं तुम्हारा नाम जान सकता हूँ, छोटी?"

"मैं लक्ष्मी हूँ," मैंने कहा।

"अरे, कितना प्यारा नाम! मैं तुम्हारे लिए क्या कर सकता हूँ लक्ष्मी?" अंकल राजन ने कहा।

"अंकल, हम कुछ जानना चाहते हैं। मछली कितनी तेज तैर सकती है?" मैंने कहा।

अंकल राजन ने उत्तर दिया, "वह एक अच्छे धावक के समान तैर सकती है, मेरा मतलब लगभग पाँच सौ मीटर प्रति मिनट।"

"इसका मतलब मछली लक्ष्मी से तेज तैर सकती है," अनु ने कहा। हम सब इस पर हँस पड़े।

फिर मैंने उनसे पूछा, "मछली जल में कैसे साँस ले सकती है?" अंकल राजन ने समझाया, "वायु में ऑक्सीजन मिली होती है। मछली इस ऑक्सीजन में साँस लेती है।"

रोहित ने सुझाया, "आओ चलें और उन्हें मछलीघर में देखें।" अत: हम बरामदे में बाहर चले गए तथा कुछ सुन्दर नारंगी, काली और सुनहरी मछलियाँ मछलीघर में देखीं। वे तैर रही थीं और एक-दूसरे का पीछा कर रही थीं।

राजन : ये जल से ऑक्सीजन ले रही हैं।

अनुराधा : अंकल, क्या मछलियाँ भी सोती हैं?

राजन : हाँ, वो ऐसा करती हैं, किन्तु वे अपनी आँखें बन्द नहीं करतीं।

रोहित : वे अपनी आँखें बन्द क्यों नहीं करतीं?

राजन : क्योंकि इनकी पलकें नहीं होतीं।

अनु : क्या वे देख सकती हैं?

राजन : हाँ, वो देख सकती हैं?

रोहित : उनके कोई कान नहीं होते। क्या वे सुन सकती हैं?

राजन : हाँ, वे सुन सकती हैं। उनके कान छिपे होते हैं। तुम उन्हें नहीं देख सकते।

लक्ष्मी : क्या वे सूँघ सकती हैं?

राजन : हाँ, वे सूँघ सकती हैं। इसका प्रमाण है।

रोहित : क्या उन्हें जल में ठण्ड नहीं लगती?

राजन : नहीं, उन्हें नहीं लगती।

लक्ष्मी : उन्हें ठण्ड क्यों नहीं लगती अंकल?

राजन : क्योंकि उनके शरीर का तापमान जल के तापमान के साथ बदलता रहता है।

फिर हम अन्दर चले गए और अंकल राजन का एल्बम देखा। जिसमें कुछ सुन्दर रंगीन तस्वीरें भी थीं। उन तस्वीरों में अंकल राजन उम्र में छोटे दिखाई पड़ रहे थे। उन दिनों वे पैंट और शर्ट पहनते थे किन्तु अब वे 'धोती' और कुर्ता पहनते हैं।

उन्होंने हमें समुद्र, जहाज और नावों के चित्र दिखाए जहाँ उनके मित्रों की तस्वीरें भी थीं। उन्होंने सबसे बड़ी और सबसे छोटी प्रकार की मछलियों की तस्वीरें दिखाईं। ह्वेल 200-250 फुट लम्बी होती है और वह जहाजों तथा नावों के लिए खतरनाक होती है किन्तु वह आदमियों को नहीं खाती। सबसे छोटी मछली आधा इंच लम्बी होती है। कुछ अन्य बड़ी मछलियाँ नरभक्षी होती हैं।

पाँच बजे हमने चाय पी। अनु की माँ ने डोसा और इडली बनायी जिसका हम सभी ने आनन्द लिया। अंकल राजन ने अपनी चाय बिना शक्कर के ली। कुछ समय पूर्व वे चाय में बहुत शक्कर लेते थे, किन्तु वे अब उसे बिना शक्कर के लेते हैं।

चाय के बाद, मैंने अनु और उसकी माता को धन्यवाद कहा। अंकल राजन मुझे घर तक अपनी कार से छोड़ा। मैं नीचे उतरी और बोली, "अंकल बहुत-बहुत धन्यवाद। मैंने आपके साथ दिन का आनन्द लिया।"

"आप सदैव आमन्त्रित हैं, लक्ष्मी। फिर कभी आना," उन्होंने कहा।

'शुभ रात्रि,'' मैंने कहा।

''शुभ रात्रि, कहते हुए उन्होंने गाड़ी चालू की और चले गए।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (c).

II. Answer the following questions :

1. When Lakshmi was strolling in the garden with Anuradha, she saw the fishpond there.

2. A fish can swim as fast as a good racer which is about five hundred metres in a minute.

3. In the water, fish breathes in oxygen mixed with it.

4. A fish don't feel cold because the temperature of its body changes with the temperature of water.

5. Uncle Rajan told children many things about fish.

6. Whales, sharks, sailfish, tiger fish, and sharptail mola are some big fishes.

III. Write one paragraph about Uncle Rajan. You may take help from answers to the following questions :

Uncle Rajan was a sailor. He sailed round the world many times, so he knows a lot of things about fish and sea. He kept fish in the aquarium. He liked reading books and magazines. He used to wear shirts and trousers when he was young. He was kind to children.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

varendah	**verandah**	wahle	**whale**	stomak	**stomach**
aqureum	**aquarium**	oxegen	**oxygen**	walcome	**welcome**
fotograph	**photograph**	sailar	**sailor**		

V. Match the words with their opposites :

smallest	**biggest**
faster	**slower**
cold	**warm**
close	**open**
inside	**outside**
sleep	**wake**
younger	**older**
beautiful	**ugly**

Keep in Mind!

VI. Answer the following questions about your early childhood, using 'used to' :

Do it yourself.

VII. Match the following parts and frame meaningful sentences :

1. He cannot lift the box because it is too heavy.
2. He failed this year because he fell ill during his exams.
3. We should not cry because we are grown-up boys and girls.
4. I did not read last night because there was no electric light in the city.
5. Everyone ought to reach school on time because late-coming is a bad habit.

5. The Miser and His Teacher

हिन्दी अनुवाद

बहुत समय पूर्व इलाहाबाद में लखीमल नामक व्यक्ति रहता था। उसके पास बहुत धन था पर वह कंजूस था। उसने कभी अच्छा भोजन नहीं खाया और कभी नए कपड़े भी नहीं खरीदे। उसके पास केवल एक जोड़ी जूते थे और वह उन्हें हफ्ते में एक या दो बार ही पहनता था। गीली धरती पर वह उन्हें हमेशा उतार देता और अपने हाथों में रख लेता।

लखीमल बहुत धनी था लेकिन वह संतुष्ट नहीं था। उसे और धन चाहिए था। एक दिन एक व्यक्ति उसके पास आया और बोला, "वाराणसी में किशोरीलाल नाम का एक धनी व्यक्ति रहता है। वह प्रत्येक दिन तुमसे कम खर्च और अधिक बचत करता है। उसके पास जाओ और उसके शिष्य बनो।" लखीमल ने व्यक्ति का धन्यवाद दिया और अगले दिन वह वाराणसी चला गया।

किशोरीलाल ने लखीमल का स्वागत किया और बोला, "लखीमल, आज तुम मेरे मेहमान हो। आज शाम हम अच्छा भोजन करेंगे। मेरे साथ आओ। हम बाजार चलेंगे और कुछ भोजन खरीदेंगे।"

वे बाजार में एक नानबाई के पास गए। किशोरीलाल ने उनसे पूछा, "क्या तुम्हारी ब्रेड अच्छी है?" व्यक्ति ने उत्तर दिया, "हाँ मेरी ब्रेड बहुत अच्छी है। यह मक्खन जैसी मुलायम है। कृपया मेरी दुकान में आइए और चखकर देखिए।"

किशोरीलाल अन्दर नहीं गया किन्तु लखीमल से बोला, "क्या तुमने यह सुना? यह व्यक्ति झूठ बोल रहा है। ब्रेड मक्खन के जैसी मुलायम नहीं हो सकती। अत: हम ब्रेड नहीं खरीदेंगे। हम मक्खन खरीदेंगे। वह ब्रेड से मुलायम होता है, इसलिए अच्छा रहेगा। हम इसे अधिक खा नहीं सकते और कुछ धन बचाएँगे।"

वे दूसरी दुकान पर गए और किशोरीलाल ने कहा, "क्या तुम्हारे पास ताजा मक्खन है?" व्यक्ति ने उत्तर दिया, "हाँ, मेरे पास है। मेरा मक्खन गंगा जल जितना स्वच्छ व ताजा है। कृपया बैठें और चखकर देखें। फिर आप मुझे और मेरे मक्खन को सदा याद करोगे।"

किशोरीलाल मुस्कराया और लखीमल से बोला, "यह व्यक्ति सच नहीं बोल रहा है। वह झूठ बोल रहा है। तुम समझे? इसका मक्खन गंगा जल जितना स्वच्छ व ताजा नहीं हो सकता। गंगा जल इसके मक्खन से अधिक स्वच्छ व ताज़ा है। अत: हम गंगा जल लेंगे। वह हमारे लिए अच्छा रहेगा क्योंकि उसकी कोई कीमत नहीं होती। हम इस शाम कुछ खर्च नहीं करेंगे किन्तु सबसे अच्छा भोजन प्राप्त करेंगे।"

वे गंगा के किनारे जाकर बैठ गए। उन्होंने गंगा से जल लिया और पी लिया तथा वे वापस घर आ गए और सो गए।

अगली सुबह लखीमल ने किशोरीलाल से कहा, ''श्रीमान, मैंने बीती रात आपसे बहुत सीखा। मैं इसे कभी नहीं भूलूँगा। मैं आपका सच्चा शिष्य रहूँगा। मैं कुछ खर्च नहीं करूँगा और सबकी बचत करूँगा।'' उसने अपने शिक्षक को अलविदा कहा और अपने घर चला आया।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (b), **3.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. learnt, **2.** satisfied, **3.** miser, **4.** butter, water, **5.** butter.

III. Answer the following questions :

1. Lakhi Mal was a rich man but he never spent any money. He never ate good food, brought new clothes and he had only one pair of shoes.

2. One day a man came to Lakhi Mal and told him that there was a rich man named Kishori Lal in Varanasi, who spent less and saved more than him everyday. He also advised him to become his pupil.

3. Lakhi Mal went to Varanasi to meet Kishori Lal.

4. Kishori Lal was a rich man who lived in Varanasi.

5. Kishori Lal asked the baker, "Is your bread good?"

6. The baker replied, "Yes, my bread is very good. It is as soft as butter. Please come into my shop and taste it."

7. At the river bank, they took water from the Ganga river and drank it.

Language Skill Practice

IV. Match the words with their opposites :

miser	**spendthrift**
clean	**dirty**
fresh	**stale**
soft	**hard**
lie	**truth**
forget	**remember**
best	**worst**
pupil	**teacher**

V. Complete the spellings :

ret**urn**, re**m**em**b**er, bu**tt**er, b**ough**t, mi**s**er, un**d**er**st**a**nd**, **t**aste, no**th**ing, fre**sh**, ba**k**er.

Keep in Mind!

VII. Change the following sentences as given in the example :

1. Vegetable curry is tastier than meat curry.

2. The water of the Ganga is cleaner than butter.

3. Mohini is prettier than Radhika.
4. A mango is sweeter than an apple.
5. Shivam is taller than Rohit.

6. The Donkey and The Horse

हिन्दी अनुवाद

एक दिन, एक घोड़ा और एक गधा घास के मैदान में चर रहे थे। वे एक-दूसरे से कुछ दूरी पर थे। जैसे ही वह करीब आए, उन्होंने एक-दूसरे को देखा किन्तु बात नहीं की। वे चरते रहे। तभी गधा जोर-जोर से रेंकने लगा। घोड़े को यह अच्छा नहीं लगा। उसने गधे को देखा और कहा, "तुम्हें तमीज नहीं है? तुम्हें इस तरह दूसरों की शान्ति भंग नहीं करनी चाहिए, जब वे कार्य कर रहे हों।"

गधा : तुम सोचते हो, तुम कार्य कर रहे हो। पर क्या वास्तव में तुम कार्य कर रहे हो? तुम केवल घास खा रहे हो और मालिक के लिए कुछ भी नहीं कर रहे हो।

घोड़ा : पर मैं कार्य करने के लिए घास खा रहा हूँ।

गधा : और मैं भी। पर मैं तुमसे अधिक परिश्रम करता हूँ। मैं प्रत्येक दिन ढेर सारा बोझा ढोता हूँ वहीं तुम हमेशा घास के मैदान में मजे करते हो।

घोड़ा : अच्छा, मैं दिन का कार्य करके घास के मैदान में आता हूँ। मैं तुम्हारी तरह आलसी जीव नहीं हूँ।

गधा : तुमने मुझे आलसी कहा! क्या तुम नहीं जानते कि मैं पूरे दिन कार्य करता हूँ? और मैं परिश्रम के लिए जाना जाता हूँ।

घोड़ा : अच्छा, मैं जानता हूँ तुम किस प्रकार का कार्य करते हो और किस लिए जाने जाते हो! लोग कहते हैं कि गधे बेवकूफ जीव होते हैं।

गधा : तुम जो चाहे सोचते रहो। लोग कहते हैं कि मेरे पास धैर्य है। मैं कभी गुस्सा या कोई शिकायत नहीं करता और मैं जो हूँ उसी में संतुष्ट हूँ।

घोड़ा : फिर तुम चिल्लाते और अत्यधिक शोर क्यों करते हो जैसे तुमने कुछ देर पहले किया?

गधा : वह इसलिए कि मैं संतुष्ट हूँ। जब मेरे पास खाली समय होता है तो मैं उसका सर्वश्रेष्ठ उपयोग करना चाहता हूँ। मैं केवल कार्य ही नहीं बल्कि संगीत भी पसन्द करता हूँ। मैं जानता हूँ कि गाते कैसे हैं और जब मैं खुशी की मनोदशा में होता हूँ मैं गाता हूँ। वास्तव में, सभी गधे ऐसा ही बर्ताव करते हैं। उनको संगीत पसन्द है। अत: हम कभी-कभी एक साथ गाते हैं व खुशी महसूस करते हैं।

घोड़ा : हाँ, पर तुम दूसरों की परवाह नहीं करते। करते हो क्या? जो तुम्हारे लिए संगीत है, औरों के लिए अरुचिकर शोर हो सकता है और तुम लोगों की शान्ति भंग करते हो जब वे कार्य करते या सोते हैं।

गधा : अच्छा, मैं उसके लिए माफी चाहता हूँ। शायद उन्हें संगीत की समझ नहीं है। उन्हें उसे अवश्य सीखना चाहिए। कुछ ने, वास्तव में, सीख लिया है। और क्या तुम्हें नहीं पता कि

जब कोई व्यक्ति अत्यधिक परिश्रम करता है तो लोग उसे कहते हैं कि वह गधे की तरह मेहनत करता है?

घोड़ा : अच्छा, वास्तव में वह कहते हैं कि गाड़ी में जुते घोड़े की तरह कार्य करता है न कि गाड़ी में जुते गधे की तरह।

गधा : हाँ, मैं जानता हूँ कुछ लोग ऐसे हैं जो सोचते हैं कि वे अधिक समझदार हैं और शायद वे आपका समर्थन करते हैं। पर मैं बल के लिए जाना जाता हूँ।

घोड़ा : बल के लिए? बिल्कुल नहीं। वह घोड़ा ही है जो बल और शक्ति के लिए जाना जाता है। स्कूटर, कार और ट्रक जैसे वाहन भी अश्वशक्ति द्वारा जाने जाते हैं।

गधा : अच्छा, आप ही ऐसा सोचते हैं। किसी कुम्हार या धोबी के पास जाइए और उनसे इसके सम्बन्ध में पूछिए। वे घोड़े न खरीदकर गधा क्यों खरीदता है?

घोड़ा : और, घोड़ों की युद्ध-मैदान में आवश्यकता होती है। सैनिक को घुड़सवारी में गर्व महसूस होता है। क्या तुम्हें राणा प्रताप का घोड़ा 'चेतक' याद नहीं? वह आज भी अपनी बहादुरी और वफादारी के लिए याद किया जाता है। उसने अपने मालिक को बचाने के लिए प्राण गँवा दिए।

गधा : पर, तुम युद्ध और लड़ाई की बात क्यों करते हो? मुझे इनसे घृणा है। मैं किसी के साथ लड़ना नहीं चाहता।

घोड़ा : शादी और जुलूस में ही देखो? केवल घोड़े ही शादी और जुलूस में उपयोग किए जाते हैं।

गधा : यह हमेशा सच नहीं है। गधे भी इनमें उपयोग किए जाते हैं। कुछ महत्त्वपूर्ण अवसरों जैसे होली पर, लोग गधों पर जुलूस निकालते हैं। उन्हें मालाएँ भी पहनायी जाती हैं।

गधा फिर रेंकने लगा। घोड़ा मुस्करा रहा था। वह निश्चित ही जानता था कि लोग गधे को बेवकूफ क्यों कहते हैं।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c).

II. Writ 'T' for true and 'F' for false statements :

1. F **2.** F **3.** T **4.** F **5.** T

III. Answer the following questions :

1. The donkey began to bray loudly when the horse was grazing.

2. The horse said to donkey, "Don't you have manners? You should not disturb others like that when they are working."

3. The donkey thought that the horse just ate grass and did not do anything for his master.

4. The donkey said that because he carried loads everyday, he worked harder than the horse.

5. The horse had done the day's work before he came to the meadow.

6. The donkey said that he was not lazy because he worked the whole day and was known for hard work.

7. When a donkey is satisfied, it brays loudly.
8. Chetak was known for his bravery and faithfulness.
9. The donkey does not like war and battles because he doesn't want to fight with anybody.
10. Donkeys are used in processions on important occasions like Holi.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

patience, complaint, faithful, favour, leisure, occasion, vehicle, creature.

V. Given one word for each of the following :

1. meadow, **2.** leisure, **3.** bray, **4.** chorus, **5.** vehicle.

VI. Match the words with their opposites :

peace	**war**
always	**never**
active	**lazy**
hurry	**patience**
praise	**complaint**

Keep in Mind!

VII. Fill in the blanks with the words given in the box :

1. favour, **2.** vehicle, **3.** distance, **4.** occasion, **5.** disturb, **6.** procession, **7.** complaint, **8.** leisure, **9.** pride, **10.** strength.

7. Robin Hood and Little John

हिन्दी अनुवाद

रॉबिन हुड कानून से निर्वासित व्यक्ति था। यह वह व्यक्ति होता है जो कानून से भागा होता है और उसे देश के नियम द्वारा संरक्षण प्राप्त नहीं होता। इसलिए वह जंगल में रहता था। यद्यपि वह भगोड़ा था, फिर भी गरीब उसे प्यार करते थे क्योंकि वह अमीरों को लूटकर गरीबों की मदद करता था। वह जब भी किसी स्वार्थी अमीर व्यक्ति से मिलता, वह उसे लूट लेता और लुटा धन गरीबों को दे देता।

रॉबिन हुड एक बहादुर व्यक्ति था और वह अपनी तरह बहादुर व्यक्ति का सम्मान करता था। उसने बहादुर और भगोड़ों का एक गिरोह बनाया हुआ था। वे धनुष और बाणों के प्रयोग के साथ-साथ बड़ी निपुणता से तलवार और भाले चला लेते थे। ये निडर व्यक्ति जंगल के कठिन जीवन के आदी थे। रॉबिन हुड के प्रति उनका अत्यधिक प्यार और सम्मान था।

एक दिन, जंगल में लम्बी चहलकदमी के बाद रॉबिन हुड घर वापस आ रहा था। रास्ते में एक नदी थी जिसमें पुल के रूप में दो लकड़ी के लट्ठे पड़े थे। जैसे-ही रॉबिन हुड ने पुल पर कदम रखा, उसने एक सात फीट लम्बे मानव को दूसरी ओर से आते देखा। दोनों पुल के बीच में मिले।

"मेरा रास्ता छोड़ो," रॉबिन हुड ने कहा।

"मैं तुम्हें रास्ता क्यों दूँ" अजनबी ने पूछा।

"अच्छा, यदि तुम मेरा रास्ता नहीं छोड़ोगे तो मैं तुम्हें नदी में धकेल दूँगा," रॉबिन ने कहा।

"मुझे डराने की कोशिश मत करो। मैं डरपोक नहीं हूँ" उस बड़े आदमी ने उत्तर दिया।

"मैं परवाह नहीं करता कि तुम डरनोक हो या नहीं। मुझे रास्ता दो अन्यथा मैं तुम्हें पानी में गिरा दूँगा," रॉबिन हुड बोला।

"मेरा रास्ता छोड़ो नहीं तो तुम अपने को नदी में पाओगे," वह व्यक्ति बोला।

"आओ, कोशिश करते हैं और देखते हैं कौन क्या कर सकता है?" रॉबिन हुड ने कहा।

रॉबिन हुड ने पहले ही अपना लम्बा डंडा ले लिया था और उसे अपने दोनों हाथों से पकड़कर उस अजनबी के घुटनों को निशाना बनाया। किन्तु अजनबी रॉबिन हुड के लिए बहुत तेज था। बड़ी निपुणता से उसने वह प्रहार अपने डंडे पर ले लिया और अपने को बचा लिया। फिर उसने प्रहार करना शुरू कर दिया।

रॉबिन हुड, अजनबी के साहस से अचम्भित होकर, पूर्ण इच्छा से बड़ी निपुणता के साथ अपने डंडे द्वारा लड़ाई शुरू कर दी। वह अपने पैरों पर काफी तेज था और उसने उस व्यक्ति पर कई तेज प्रहार किए। वह भी बराबर निपुण सिद्ध हुआ, तथापि वह रॉबिन के समान तेज नहीं था।

दोनों व्यक्ति, एक-दूसरे को नदी में गिराने का प्रयास करते हुए, पूरी ताकत से और देर तक लड़ते रहे। अन्त में रॉबिन हुड ने उस व्यक्ति के घुटनों पर प्रहार किया कि वह नदी में गिर गया। किन्तु गिरने से पहले अजनबी रॉबिन हुड के सिर पर प्रहार करने में सफल रहा। रॉबिन हुड भी लड़खड़ाकर नदी में गिर गया।

काफी कठिनाई से दोनों नदी के किनारे पहुँच पाए। अजनबी लँगड़ा रहा था और वह अत्यधिक दर्द में था। किन्तु उसने हिम्मत नहीं हारी। वह लड़ाई के लिए फिर तैयार हो गया।

अब रॉबिन हुड ने अपना भोंपू निकाला और तीन बार बजाया। एकदम सभी दिशाओं से हरे सूट में उसके लोग आ गए। उन्होंने अपने मालिक को बुरी तरह से घायल और अजनबी को लँगड़ाते हुए उसकी ओर जाते देखा। तुरन्त ही वे अजनबी पर टूट पड़े। तथापि वे कई थे, अजनबी भयभीत नहीं हुआ। "मैं तुम सब से एक-एक कर लड़ूँगा, किन्तु पहले मुझे इस व्यक्ति से लड़ने दो," वह व्यक्ति चिल्लाया।

रॉबिन जोर से हँसा। उसने अपने लोगों से कहा, "इसको हानि मत पहुँचाओ। मुझे यह बहुत पसन्द आया।"

"तुम मुझे क्यों पसन्द करते हो? कौन हो तुम?" अनजबी ने पूछा।

मैं रॉबिन हुड हूँ और ये मेरे अपने लोग हैं। मैं तुम्हारी निपुणता और साहस से खुश हूँ। मुझे निडर लोग पसन्द हैं और तुम एक ऐसे ही हो।"

अजनबी तुरन्त ही अपने घुटनों के बल बैठ गया और बोला, "मुझे माफ कर दीजिए। मैं इस जंगल में केवल आपके गिरोह से जुड़ने आया था किन्तु एक मूर्ख की भाँति आपको नहीं जान पाया और आपसे लड़ने लगा।"

"तुम्हें माफी माँगने की कोई आवश्यकता नहीं है। तुमने अपने को पूर्णत: सिद्ध कर दिया है और तुम मेरे गिरोह से जुड़ सकते हो। पर याद रखो कि अगर तुम भगोड़ा बनना चाहते हो तो तुम्हें जंगल के कठिन जीवन का अभ्यस्त होना होगा।"

"मैं तुम्हारे गिरोह में रहकर भगोड़ा बनना पसन्द करूँगा," उस व्यक्ति ने उत्तर दिया।

"तुम्हारा नाम क्या है?"

"लोग मुझे छोटा जॉन बुलाते हैं," उसने जवाब दिया और सब लोग जोर से हँसने लगे।

"हम तुम्हें छोटा जॉन पुकारेंगे," रॉबिन ने कहा, "और तुम आजीवन मेरे मित्र रहोगे।"

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. head, **2.** robbed, poor, **3.** worth, **4.** knees, **5.** swords and sticks.

III. Answer the following questions :

1. Robin Hood had to live in a forest because he was an outlaw.

2. The poor loved Robin Hood because he robbed the rich to help them.

3. Robin Hood and the stranger fought because both of them wanted the other to get out of his way on the bridge.

4. To call his followers, Robin Hood took out his horn and blew it three times.

5. The stranger asked Robin Hood to pardon him because he came to forest only to join his merryband, but he didn't know him and began to fight with him.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

caward	**coward**	suets	**suits**	strengar	**stranger**
wonded	**wounded**	gaint	**giant**	qiuck	**quick**
steped	**stepped**	aernest	**earnest**	protacted	**potected**
friten	**frighten**				

V. Match the words with their opposites :

coward	**brave**
outlaw	**law abiding**
remember	**forget**
love	**hate**
hard	**easy**
quick	**slow**

Keep in Mind!

VI. Complete the passage by filling the blanks with the words given below :

Robin Hood was surprised at the **stranger's** courage and skill. He started fighting **in earnest.** Robin Hood used his stick with great **skill.** But the stranger proved to be equally **skilful.** Both tried to **knock** the other down. At last, both of them fell into the **river.** With great difficulty, both men reached

the **bank.** The stranger once again got **ready** to fight. But now Robin Hood **blew** his horn. Immediately Robin Hood's **merry** men came from all sides and fell upon the stranger. The stranger didn't get **frightened.** He said, "I will **fight** you all one by one." In the meantime, Robin Hood said; "Don't **harm** him. I am pleased at his skill and **courage."**

8. Battle Hymn of the Jawans

हिन्दी अनुवाद

बढ़े चलो! चले चलो! बढ़े चलो! चले चलो!
आकाश हमारा विजय द्वार है!
कोई मूर्खतापूर्ण अशुद्धि न धुँधला करती है, न मलिन करती है
हमारी सैनिक योजनाओं व मानचित्रों को;
हमारे मनों में न कोई द्वेष है,
हमारे दिलों में न कोई नफरत है।

देखो! हम अपने राष्ट्रीय ध्वज को फहराते हैं,
बिना किसी शेखी अथवा श्लाघा के,
सवेरे के सूरज की चमकदार किरणें इसका स्वागत करने आती है,
स्वाधीनता इससे मिलने आती है।

देखो! यह स्वत: ही उड़ रहा है,
सघनतम बादलों को चुनौती दे रहा है,
युद्ध की प्रत्येक भभकन को ललकार रहा है;
हम इसे लहरायेंगे,
हम इसे बचायेंगे,
हम अनादर से इसकी रक्षा करेंगे, चाहे इसके लिए मरना पड़े।

बढ़े चलो! चले चलो! बढ़े चलो! चले चलो!
आकाश हमारा विजय द्वार है!
हम सत्य के रक्षक हैं,
हम बलिदान को तत्पर हैं,
अपनी जवानी के बलिदान के लिए तैयार,
स्वाधीनता की खातिर, क्योंकि यही स्वाधीनता की कीमत है।

—हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (a).

II. Match the word under 'A' with their meaning given under 'B' :

A	B
malice	**feeling of dislike**
dishonour	**not giving respect**
battle	**war**
freedom	**with no restrictions**
sacrifice	**to give up something**
hatred	**ill will**

III. Answer the following questions :

1. The Indian soldiers are singing this song.

2. At the time of marching, the *Jawans* have the feelings of bravery and sacrifice in their minds.

3. The soldiers are going to fight to save the honour of their motherland and not because of any ill-will or hatred towards any one.

4. The following lines show that the soldiers were very bold :
"We shall save it from dishonour, even if it comes to dying!"

5. The greatest sacrifice which the soldiers can give for their country is their lives.

6. The soldiers wanted to fight and die for the sake of truth and honour of their motherland.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

broak	**broke**	folish	**foolish**	freedam	**freedom**
splandor	**splendor**	sakrifice	**sacrifice**	batle	**battle**
solzers	**soldiers**	hetrad	**hatred**	triamfal	**triumphal**
melice	**malice**				

V. Complete the passage using the given phrases :

Freedom implies that we should discard selfishness, laziness and **all narrowness of outlook.** It also implies **service is happiness.** We should discipline ourselves so as to be able **to discharge our new responsibilities** satisfactorily. Work, unceasing work, **toil and new values for old ones** work is wealth and **should now be our watchword.** Nothing else is. The **greatest crime is idleness** in India today. If we root out idleness, all our difficulties and conflicts **will gradually disappear.** All of us should make a contribution to **the welfare of the country.** Honest work is the fundamental law of progress.

Keep in Mind!

VI. Quiz hour : Add only one letter to the italicized words and answer the given questions :

1. month, **2.** planting, **3.** solid, **4.** black, **5.** sprout.

9. Alberuni's Account of India

हिन्दी अनुवाद

एक मुस्लिम विद्वान अलबरूनी करीब एक हजार वर्ष पूर्व भारत आया। उसका जन्म 973 ईसवी में मध्य एशिया में ख्वारिज्म राज्य में हुआ था। वह भारत में महमूद गजनी के निर्वासित कैदी के रूप में आया।

अलबरूनी ने अपने निर्वासित वर्ष संस्कृत साहित्य को पढ़ने में लगाए। उसने अनेक किताबों को अरबी भाषा में अनुवादित किया और लिखा। चालीस वर्ष की आयु में, उन्होंने अरबी में विज्ञान, गणित, खगोलविज्ञान और ज्योतिष विज्ञान में काफी ज्ञान प्राप्त कर लिया था।

अलबरूनी ने उस समय भारतीय समाज में व्याप्त असामान्य प्रथाएँ, विश्वास और परम्पराओं का रुचिकर विवरण दिया।

अलबरूनी कहता है, "लोगों को समझना मुश्किल है। भारतीयों का व्यवहार असहयोगपूर्ण है। वे सभी विदेशियों के पूर्वधारणा से ग्रस्त हैं। वे अहंकारी और संकीर्ण विचारों वाले हैं। वे अपनी प्रथाओं और तरीकों की कभी आलोचना नहीं करते।"

वह बताता है कि हिन्दू पहले अपने पैर धोते थे और फिर मुँह और नाखून लम्बे बढ़ाते थे। वे अकेले भोजन करते, पान खाते और खाने से पहले शराब पीते थे। वे घर बिना आज्ञा के आ जाते थे किन्तु आज्ञा मिलने पर ही जाते थे। एकत्रित होने पर, वे पलोथी लगाकर बैठते थे। वे उपस्थित बूढ़े लोगों का सम्मान किए बिना थूकते और छींकते थे। वे दूसरों को वस्तुएँ फेंककर देते थे। शतरंज का खेल दो नहीं चार लोग खेलते थे।

जहाँ तक पोशाक की बात थी, वे लोग कमर के नीचे छोटा कपड़ा बाँधते थे। कुछ अन्य पैरों तक एक बड़ा कपड़ा उपयोग करते थे।

पुरुष महिलाओं की भाँति कुण्डल और बाजूबंद पहनते थे। महिलाएँ कंधो से शरीर के मध्य तक कमीज पहनती थीं।

धार्मिक प्रथाओं के सम्बन्ध में वह कहता है, "हिन्दुओं का मानना है कि ईश्वर एक है, अनंत है अर्थात् बिना आरम्भ और अन्त के, अपनी इच्छा से कार्य करने वाला, सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञानी, जीवन लेने और देने वाला, राज करने वाला और दृढ़।" उसने बताया है कि हिन्दू तीर्थयात्री धार्मिक स्थल; जैसे—वाराणसी, पुष्कर, थानेश्वर और मुल्तान जाते थे। वे अपने दिवंगत लोगों की हड्डियाँ पवित्र गंगा में बहाते थे। वे कुछ भोज्य पदार्थों को अशुद्ध कहकर छोड़ देते और महत्त्वपूर्ण अवसरों पर धार्मिक गुण पाने के लिए व्रत रखते थे। हिंदू अपनी सारी पुस्तकों को ओम, प्रकृति के चिन्ह, से आरंभ करते। वे अंधविश्वासी थे और अपशुकनों को आम जीवन में मानते थे। हिन्दू बाएँ से दाएँ को लिखते थे।

दक्षिण में वे धागे से बँधी तरी पत्तियों पर लिखते थे। उत्तर में लोग तुज पेड़ की छाल को तेल लगाते और चमकदार बनाते थे तथा कठोर और चिकनी हो जाने पर उस पर लिखते थे। वे पत्तियों को कपड़े के टुकड़े में लपेटते और उन्हें पोथी या पुस्तिका कहते थे। हिन्दू अपनी किताब ऊँ के साथ आरम्भ करते थे, जो नवनिर्माण का चिह्न है।

भारत की ग्यारहवीं सदी का चित्र, जो अलबरूनी ने दिया है, दिखाता है कि लोग अपने तरीकों में संकुचित, संकीर्ण और अडिग थे; किन्तु वे ज्ञानी थे और कई क्षेत्रों में आधुनिक थे। उसने भारतीयों की उनकी प्रथाओं की आलोचना के बावजूद, ईश्वर की वास्तविक छवि के

लिए प्रशंसा की। अलबरूनी की किताब ने खगोलविज्ञान और ज्योतिषविज्ञान की भारतीय प्रणाली को समझाया है। उसने ग्रहों, उनके आकार, चाल, चन्द्र, और सूर्य-ग्रहण, आक्षांश और देशांतर निरीक्षण उपकरण आदि के भारतीय सिद्धान्त को वर्णित किया है। तथापि भारतीय गणितज्ञ और खगोलविद् ज्ञानी थे, उन्होंने अपने ज्ञान को उसके तार्किक निष्कर्ष तक नहीं पहुँचाया।

उन्होंने कई पारस्परिक विचार, जो पुराण में पृथ्वी के भौतिक पदार्थों के, अंतरिक्ष और समय के निर्माण के सम्बन्ध में थे, अपनाए।

चिकित्साशास्त्र को खगोल विज्ञान के समान एक ऊँची शाखा समझा जाता था। चरक, जिनकी किताब अरबी में अनुवादित की गयी, इस विषय का सर्वश्रेष्ठ लेखक माना जाता था। यह माना जाता था कि साँप के काटे का इलाज सिर्फ विभिन्न जादुओं द्वारा ही है।

अलबरूनी ने भारत में उस समय चलन में भार के मापनों को विस्तार से बताया है। भार का मापन एक स्थान से दूसरे स्थान पर भिन्न था, क्योंकि वहाँ कोई स्थिर मानक नहीं था। उपविभाजन विशुद्धता से निर्धारित नहीं किया जा सकता था। ये ही दूरियों के लिए भी सच था। उदाहरणार्थ, बीच की उँगली और अँगूठे के बीच की दूरी को तल कहते थे। आदमी की लम्बाई अपने तल से आठ गुनी होती थी। जैसे कि तल अलग होते थे, तुलना की कोई इकाई नहीं थी।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (c), **3.** (a).

II. Fill in the blanks :

1. Om, creation, **2.** superstitious, omens, **3.** Charaka, **4.** 973, Khwarezm.

III. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. F, **2.** F, **3.** F, **4.** T, **5.** T.

IV. Answer the following questions :

1. Alberuni devoted the years of his exile to study Sanskrit language. He was well versed in all the Arabic works on science, mathematics, astronomy and astrology.

2. According to Alberuni, "The people are difficult to understand. Their attitude is unhelpful. They are prejudiced against all foreigners. They are vain and narrow-minded. They never criticize their own customs and manners."

3. Alberuni praised the religious practices of Indians. He says, regarding religious practices, "The Hindus believe that God is one, eternal, *i.e.*, without beginning and end, acting by free will, almighty, all-wise, living, giving life, ruling, persevering."

4. Alberuni's book explains the Indian system of astronomy and astrology. He described the Indian concept of planets, their size, movement, the lunar and solar eclipses, latitudes and longitudes, instruments of observation, etc.

5. The distance between the top of the middle finger and the thumb was called a tal. The height of a person was eight times his own tal. As the tals differed, there was no unit for comparison.
6. At the time of Alberuni's visit to India in the north, people oiled and polished the bark of the Tuz tree and wrote on it after it became hard and smooth.

Language Skill Practice

V. Correct the spellings :

togathor	**together**	etarnel	**eternal**	soceity	**society**
territary	**territory**	fialds	**fields**	begining	**beginning**
sholders	**shoulder**	peculear	**peculiar**		

VI. Match the related words :

astronomy	**science of the heavenly bodies**
astrology	**study of stars to predict future**
regarded	**considered**
accurately	**correctly**
insular	**narrow minded**
omen	**sign of some future event**
prevailing	**prevalent**
admired	**praised**

Keep in Mind!

VII. Fill in the blanks with the words given in the box :

Many people in our country are fond of **chewing** pan. They **spit** wherever they like. It is not **hygienic,** because the **saliva** which they throw from their mouth may contain certain **germs,** which may spread diseases. In the same way, we should not **blow** our noses in the open. Beside being a bad **manner,** it is also **unhygienic**. While **sneezing,** we should cover our **nose** with a handkerchief and always say 'Sorry' or 'Excuse me'.

10. The Wise Yudhishthira

हिन्दी अनुवाद

पांडव भाईयों को निर्वासन में बनवास में रहते बारह वर्ष हो चुके थे। युधिष्ठिर, जो पांडवों में सबसे बड़े थे, ने एक दिन देखा कि उनके भाई ऊबे हुए व दुःखी हैं। उनको व्यस्त रखने के लिए उन्होंने उनसे जंगल के अन्त में स्थित तालाब से पीने का जल लाने को कहा। युधिष्ठिर ने यह भी घोषणा की कि जो भी यह पहले करेगा, अगले दिन वह समूह की अगुआई करेगा।

चारों भाई उत्साहित होकर तुरन्त ही तालाब के लिए चल दिए। पहले पहुँचने वाला नकुल था। तालाब का जल ताजा था और सूर्य के प्रकाश में चमक रहा था। नकुल अपनी जल पीने की इच्छा को रोक न सका। जैसे ही वह आगे झुका, एक आवाज ने उसे पुकारा, "रुको। जल को छूने से पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो!"

यद्यपि नकुल अचम्भित हुआ किन्तु उसने चेतावनी पर कोई ध्यान नहीं दिया और जल पी लिया। जैसे ही उसने जल पिया, वह मूर्च्छित होकर गिर पड़ा।

सहदेव, उस जादुई तालाब पर पहुँचने वाला अगला था। वह नकुल को तालाब के पास मूर्च्छित पड़े देख आश्चर्यचकित हुआ। उसने यह जानने से पूर्व कि उसके भाई को क्या हुआ है, अपनी प्यास बुझाने का निश्चय किया। जैसे ही वह तालाब से जल पीने के लिए नीचे झुका, उसी आवाज ने फिर से उसके प्रश्नों के उत्तर दिए बिना जल न छूने की चेतावनी दी। सहदेव ने भी चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया और जल पी लिया। अपने भाई नकुल की तरह सहदेव भी मूर्च्छित होकर गिर पड़ा। वह एक गहरी, मृत्यु समान निंद्रा थी।

कुछ देर बाद, भीम और अर्जुन भी जादुई तालाब पर पहुँच गए। उन्होंने भी आवाज द्वारा दी गई चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया और उसी प्रकार उन्हें दण्ड मिला। युधिष्ठिर, जो काफी देर से अपने भाइयों के वापस आने की प्रतीक्षा कर रहा था, उनकी खोज में निकल पड़ा। वह जंगल में घूमता रहा इससे पहले कि वह वहाँ पहुँचता जहाँ उसके भाई मूर्च्छित पड़े थे। वे एक ताजे और साफ जल के तालाब के पास थे; जो जादुई तालाब था।

युधिष्ठिर अचम्भित और आश्चर्यचकित खड़ा हुआ, अपने पड़े हुए भाइयों, जो मरे हुए प्रतीत हो रहे थे, को देखता रहा! तालाब के चमकते, साफ जल को देख उसे भी लालच आया। वह भी पीने के लिए नीचे झुका आवाज ने तुरन्त उसे पुकारा, "सावधान! तुम्हारे भाइयों ने मेरी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया, इसलिए उन्हें दण्डित किया गया है। अगर तुम भी मेरे प्रश्नों का उत्तर नहीं दोगे, तुम भी इसी नियति को प्राप्त होगे।"

युधिष्ठिर मगर सभी भाइयों मे बुद्धिमान था। वह एकदम समझ गया कि यह विचित्र आवाज यक्ष की है, जो तालाब की रखवाली करता है। वह शीघ्र ही समझ गया कि यक्ष ने मूर्खतापूर्ण कार्य करने वाले उसके भाइयों पर जादू किया है। युधिष्ठिर ने जल पीने से पहले यक्ष के प्रश्नों के उत्तर देने का निश्चय किया। युधिष्ठिर ने फिर कहा, "हे यक्ष! कृपया अपने प्रश्न पूछिए। मैं उनके उत्तर देने को तैयार हूँ।"

यक्ष : सूरज को रोज कौन उगाता है?

युधिष्ठिर : यह ईश्वर की शक्ति है जो रोज सूरज उगाती है।

यक्ष : जब व्यक्ति खतरे में होता है तो उसके बचाव के लिए कौन आता है?

युधिष्ठिर : उसका साहस।

यक्ष : सबसे बड़ा पात्र क्या है और क्यों?

युधिष्ठिर : सबसे बड़ा पात्र पृथ्वी है क्योंकि इसमें सभी वस्तुएँ समाहित हैं।

यक्ष : हवा से भी तीव्र क्या चलता है?

युधिष्ठिर : मन।

यक्ष : आसमान से ऊँचा क्या है?

युधिष्ठिर : पिता।

यक्ष : सूखे हुए पुआल से भी अधिक निराशाजनक क्या है?

युधिष्ठिर : दुख भरा हृदय।

यक्ष : मृत्यु के समय व्यक्ति के साथ कौन जाता है?

युधिष्ठिर : धर्म।

यक्ष : सच्ची खुशी कहाँ पर होती है?

युधिष्ठिर : अच्छे कर्मों द्वारा प्राप्त परिणाम में सच्ची खुशी होती है।

यक्ष : क्या खोना दुख के बजाय खुशी देता है?

युधिष्ठिर : क्रोध। क्रोध को खोने या त्यागने से, कोई दुखी नहीं रह सकता।

इस प्रकार यक्ष ने कई प्रश्न किए जिनका युधिष्ठिर ने संतोषजनक उत्तर दिया। यक्ष खुश हुआ और बोला, "हे राजा, तुम्हारा एक भाई वापस जीवन प्राप्त कर सकता है। तुम किसे चुनते हो?" युधिष्ठिर ने कुछ देर सोचा और कहा, "मैं नकुल को वापस जीवित चाहता हूँ।" यक्ष प्रसन्न हुआ और बोला, "तुमने, भीम को न चुनकर, जिसमें सोलह हजार हाथियों का बल है या अर्जुन को न चुनकर, जिसकी रक्षा की शक्ति तुम्हारी रक्षक है, नकुल को ही क्यों चुना?

"हे यक्ष," युधिष्ठिर ने उत्तर दिया, "मैंने नकुल को चुना क्योंकि ऐसा करके मैं माद्री के एक पुत्र का जीवन वापस ले आऊँगा। जहाँ पर मेरी माता कुंती का एक पुत्र जीवित रहेगा जो मैं हूँ, वहीं माद्री के दोनों पुत्र मर गए हैं। मैं चाहता हूँ न्याय का पैमाना समान रहे, इसलिए मैंने माद्री के पुत्र को जीवित करने को कहा।"

यक्ष युधिष्ठिर की निष्पक्षता और निस्वार्थता से इतना प्रसन्न हुआ कि उसने उसके सभी भाइयों का जीवन वापस कर दिया। यक्ष ने युधिष्ठिर को अपना घड़ा भरने की अनुमति दी और उसे बताया कि उसके भाई उसके पीछे घर जाएँगे। शीघ्र ही युधिष्ठिर और उसके भाई फिर एक साथ थे तथा बहुत प्रसन्न थे।

युधिष्ठिर की बुद्धिमानी ने उसकी और उसके भाइयों की जान बचाई।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (c), **3.** (a).

II. Fill in the blanks :

1. Dharma, **2.** exile, **3.** strength, **4.** unconcious, **5.** water.

III. Answer the following questions :

1. Yudhishthira asked his brothers to bring a pot of drinking water from the pool situated at the end of the forest to keep them busy.

2. Nakula was the first to reach the pool. He did not pay any heed to the warning and as soon as he drank the water, he fell down unconscious.

3. The Yaksha wanted the Pandava brothers to answer his questions before drinking water from the pool.

4. The biggest vessel is the earth because it contains everything.

5. According to Yudhishthira, true happiness lies in the result of good conduct.

6. When one gives up anger, he shall no longer remain grief stricken.

7. When Yudhishthira had answered Yaksha's questions, the Yaksha offered to give back the life of one of his brothers.

8. Yudhishthira choose Nakula because by doing so he would be able to get back life of one of Madri's son. As he himself was Kunti's son and alive, Nakula being alive would even the scales of justice.

9. In the end, Yaksha he agreed to bring back the life of all his brothers as a reward for Yudhisthira's impartiality and unselfishness.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

temptation, resist, sparkle, exile, quench, enchanted, wisdom, bother, preference.

V. Match the words with their meanings :

pool	**pond**
astonished	**amazed**
revive	**to bring back to life**
fate	**luck**
withered	**dried**
yields	**gives**
heed	**attention**
impartial	**just**

Keep in Mind!

VI. Fill in the blanks with the words given in the box :

Rama had been in **exile** for fourteen years. He was **accompanied** by his wife Sita and younger brother Lakshman to the forest. While Sita was alone in her **cottage,** Ravana, the king of Lanka **kidnapped** her. There was a **fierce** battle between Rama and Ravana. While fighting with Meghnada, the son of Ravana, Lakshman became **unconscious.** He came back to **life** by the medicine brought by Hanuman, the **bravest** commander of Rama's army.

11. The Kabuliwallah

हिन्दी अनुवाद

मेरी पुत्री, जो केवल पाँच वर्ष की है, बोले बिना नहीं रह सकती। उसका नाम मिनी है। मिनी की माँ कई बार उसके बोलने के आचरण से नाराज हो जाती। दूसरी ओर, मैं बहुत देर तक उसकी चुप्पी को सहन नहीं कर सकता। मेरी स्वयं की चर्चा उसके साथ सदैव रोमांच भरी होती है।

एक सुबह, जब मैं अपना नया उपन्यास पढ़ने में व्यस्त था, मिनी चुपचाप मेरे कमरे में आई और अपने छोटे हाथ मेरे हाथ में रखकर बोली, " पिताजी हमारा चौकीदार रामदयाल कौए को कउवा कहता है। उसे कुछ नहीं पता! क्या उसे पता है?

मैं एक भाषा से दूसरी भाषा में अन्तर बताने ही वाला था, तभी उसने विषय बदल दिया और बोली, "भोला कहता है कि बादलों में हाथी है। हाथी अपनी सूँड़ से पानी फेंकता है, इसलिए वर्षा होती है। आप क्या सोचते हो, पिताजी?"

मैं सोच ही रहा था कि क्या उत्तर दूँ, जब वह अपने तीसरे प्रश्न की ओर मुड़ी, "पिताजी! माता का आपसे क्या सम्बन्ध है?" मैंने गम्भीरतापूर्वक कहा, "जाओ और भोला के साथ

खेलो, मिनी!'' मिनी ने मेरे समीप फर्श पर बैठना चुना और खेलना शुरू कर दिया। मैं अपने उपन्यास पढ़ने में व्यस्त था जब अचानक मिनी खेलना छोड़कर कमरे की खिड़की की ओर चिल्लाते हुए भागी, 'काबुलीवाला!, ओ काबुलीवाला!'' एक काबुलीवाला नीचे सड़क पर जा रहा था। उसने सामान्य वेशभूषा के रूप में ढीले वस्त्र और सर पर पगड़ी पहनी थी। उसके पीछे एक थैला था और किशमिश का एक डिब्बा हाथ में था।

अपनी पुत्री की भावनाओं से मैं अनभिज्ञ था, जब वह उसे बुला रही थी, मैं सोच रहा था 'अरे!, वह अन्दर आ जाएगा और मेरा कार्य बाधित हो जाएगा।'' काबुलीवाला रुका और उसने मिनी की ओर देखा। जब मिनी ने उसे देखा, वह डर गयी और सुरक्षा के लिए भागकर माँ के पास चली गई। मिनी हमेशा सोचती कि काबुलीवाला अपने थैले में उस जैसे दो या तीन बच्चे लिए हुए है। इतने समय में काबुलीवाला मेरे घर में आ गया और उसने मुस्कराते हुए मेरा अभिवादन किया।

चूँकि मेरी पुत्री ने उसे बुलाया था, मुझे कुछ वस्तुएँ उससे खरीदनी पड़ीं। जाने से पूर्व, उसने पूछा, ''वह छोटी बच्ची कहाँ है, श्रीमान?'' यह सोचकर कि मिनी को उसके झूठे विश्वास और डर से छुटकारा दिलाना चाहिए, मैं उसे ले आया। काबुलीवाले ने उसे मेवे देना चाहा पर उसने वे नहीं लिए। यह उनकी पहली मुलाकात थी।

कुछ दिन बाद, मैं यह देखकर अचम्भित था कि मिनी काबुलीवाले के साथ हँस-हँसकर बाते कर रही थी। उसकी स्कर्ट का एक कोना बादाम और किशमिश से भरा था। काबुलीवाले ने मिनी के डर पर विजय पा ली थी और अब दोनों बहुत अच्छे दोस्त बन गए थे। उनकी मुलाकातें अब नियमित थीं चाहे सुबह को या शाम को। यद्यपि मिनी की माता को काबुलीवाले पर शक था और प्राय: वह मुझसे उस पर नजर रखने को कहती। उसे डर था कि उसकी छोटी बच्ची का अपहरण न हो जाए। मैं उससे हमेशा कहता कि उसका शक आधारहीन है पर वह नहीं मानी। रहमान (काबुलीवाला), प्रत्येक वर्ष जनवरी के बीच अपने देश जाता था। जाने से पूर्व वह लोगों से अपना ऋण एकत्र करता था।

एक सुबह, काबुंलीवाले द्वारा जाने की सोचने से पूर्व, मैंने सड़क पर शोर सुना और जब काबुलीवाले को पुलिस के साथ जाते देखा, तो मैं हैरान हो गया। मैं बाहर आया और पूछा बात क्या है। मुझे पता लगा कि रहमान ने किसी को चोटिल कर दिया है जिसने उससे एक शॉल खरीदा था और खरीदे जाने से इंकार कर दिया। अचानक मिनी भागती हुई उसी सम्बोधन के साथ बाहर आई'' ओ काबुलीवाले! काबुलीवाले!'' वह यह देखकर हैरान हुई कि उसके पास कोई थैला नहीं था। ''तुम कहाँ जा रहे हो?'' उसने पूछा। रहमान हँस पड़ा और बोला, ''मैं अपनी ससुराल जा रहा हूँ'' जिसका उसके समाज में अर्थ जेल होता था। रहमान को कुछ वर्ष तक के लिए जेल भेज दिया गया।

समय बीतता गया और मिनी अपने पुराने मित्र काबुलीवाले को भूल गयी। उसके जीवन में नए मित्र आ गए। वर्ष निकलते गए और हमारी पुत्री के विवाह का समय आ गया था। मिनी की शादी पूजा की छुट्टियों में होनी थी।

मिनी के शादी वाले दिन, हर ओर प्रसन्नता थी। मैं अपने अध्ययन कक्ष में बैठा था, तभी कोई आया, सम्मान के साथ मेरा अभिवादन किया और मेरे सामने खड़ा हो गया। वह रहमान (काबुलीवाला) था। वह जेल से छूट गया था।

मुझे उसका उस दिन आना अच्छा नहीं लगा। मैंने उससे जाने को तथा किसी और दिन आने को कहा। वह दरवाजे तक पहुँचा ही था, तभी वह मुड़ा और बोला, "श्रीमान, एक क्षण के लिए क्या मैं उस छोटी बच्ची को नहीं देख सकता?" वह सोचता था कि मिनी अब भी वैसी ही होगी। मैंने कहा, "आज घर में एक समारोह है और तुम किसी से नहीं मिल सकते।" "ठीक है श्रीमान, मैं छोटी बच्ची के लिए कुछ वस्तुएँ लाया था। कृपया उसे दे देना," वह बोला।

मैं उसे कीमत देना चाहता था, पर उसने मना कर दिया। "उसकी तरह मेरे घर में भी एक पुत्री है," उसने कहा। "मैं उसको याद करके बिना लाभ के कुछ वस्तुएँ आपकी पुत्री के लिए लाता था।" उसने एक गंदा कागज मुझे दिखाया जिस पर छोटे हाथ के छाप थे—रहमान की पुत्री के छोटे हाथ।

मेरी आँखों में आँसू आ गए, जब मुझे यह अहसास हुआ कि मैं उससे अधिक कुछ नहीं था। वह भी एक पुत्री का पिता था।

मैंने शीघ्र ही मिनी को बुला भेजा। उसे देखकर, काबुलीवाला भौचक्का रह गया। वह अपनी मित्रता को पुर्नजीवित नहीं कर पाया। वह हँसा और बोला, "छोटी, क्या तुम अपनी ससुराल जा रही हो?"

मिनी को अब उस शब्द का अर्थ पता था और वह उस प्रश्न पर केवल शर्मा दी। जब वह चली गई, रहमान फर्श पर सोचते हुए बैठ गया। वह शीघ्र ही समझ गया कि उसकी पुत्री भी बड़ी हो गयी होगी। वह बहुत समय से घर से दूर था।

मैंने रहमान को कुछ धन दिया और उससे वापस जाकर अपनी पुत्री से मिलने को कहा। मुझे वह क्षण आनन्दपूर्ण लगा जब मैंने सोचा कि दूर देश में बैठा एक पिता अपनी पुत्री से बहुत समय के बाद फिर मिलेगा।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (b), **3.** (c).

II. Match the related words :

1. It rains **because the elephant blows water out of its trunk.**
2. The Kabuliwallah had overcome **Mini's fear.**
3. Mini' mother gets annoyed with her **because of her talkative behaviour.**
4. Mini was filled with fear **when she saw the Kabuliwallah.**
5. Kabuliwallah believed **that Mini was still the same.**

III. Answer the following questions :

1. Mini's talkative nature annoyed her mother at times.
2. Bhola said to Mini that there was an elephant in the clouds. Who blew water out of its trunk and therefore, it rains.
3. Kabuliwallah were in loose clothing and a tall turban on his head.
4. When the Kabuliwallah looked up at Mini. She was filled with fear and ran to her mother to seek protection.

5. Rahman was sent to jail because he had struck somebody who owed him money for a shawl.
6. On the day of Mini's marriage, the Kabuliwallah came to meet her father.
7. Kabuliwallah refused to accept the money because like Mini he too had a daughter. He thought of her daughter and brought a few things for Mini not to make a profit.
8. The paper contained the impression of a little hand—the little hand of Rahman's daughter.
9. Mini's father changed his mind realising that he also was the father of a girl and called Mini before the Kabuliwallah.
10. For Mini's father, the moment became more joyful for the thought that in a far off land, a long lost father would meet his only child, after long time.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

exclamation, marriage, language, protection, silence, difference, daughter, novel.

V. Match the words with their meanings :

doorkeeper	**guard**
chattering	**talking too much**
greeted	**welcomed**
debt	**loan**
hampered	**disturbed**
offered	**gave**
inquired	**asked**
profit	**gain**

Keep in Mind!

VI. Use the following phrases in your own sentences :

to get of : Aalia go to a temple to get of his anger.
to keep an eye : Mother should keep an eye on her children.
to take care : The students should take care while getting out of bus.
in the meantime : The child was sleeping and in the meantime his mother prepared lunch for him.
for long : Rohan took Mohan's book for long time.
on the other hand : Meena is a good girl while on the other hand her brother is very naughty.
to take place : Next year, the annual function is to take place in new built auditorium.
far off : My grandfather is living far off from me.

12. Golden Rules for Good Health

हिन्दी अनुवाद

(एक लेखक, ई०वी नॉक्स के अनुभव पाठकों के लाभार्थ रूपान्तरित किये गये हैं।)

हर कोई लम्बा जीवन जीना चाहता है और कोई जल्दी नहीं मरना चाहता। हमारा शरीर एक नाजुक स्वचालित मशीन है, इसलिए इसे ठीक रखने के लिए लम्बे समय तक कार्यशील बनाये रखने के लिए हमें कुछ निश्चित नियमों का पालन करना चाहिए। ये स्वर्णिम नियम लम्बे जीवन के लिए हैं—

1. आहार—सबसे पहले अपने आहार के प्रति सतर्क रहो। खाओ, पीओ, जो तुम्हारी आवश्यकता हो और अधिक कुछ नहीं। आवश्यकता से अधिक भोजन न करना लम्बे अन्तराल के लिए तुम्हें ठीक रख सकता है और अधिकता हमारे तंत्रों को अनेक तरह से कमजोर बनाती है। जब तुम खाना और पीना समाप्त करो तो और अधिक मत लो। जब तुम कुछ अधिक चाहते हो, इसे दोबारा लो।

जब कभी तुम्हें आवश्यकता हो, खाओ और पीओ लेकिन तुम अपनी आवश्यकता से और अधिक नहीं। सदैव सुनहरा नियम याद रखो 'खाओ जीने के लिए और मत जीओ खाने के लिए।'

अब प्रश्न यह है कि हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं। सब कुछ खाओ लेकिन अपने पेट की क्षमता के अनुसार और अपने शरीर की अनुकूलता के अनुसार, सब कुछ प्रकृति हमें दे चुकी है, खाने के लिए उनके एक या अधिक लाभ हैं। इसलिए हमें प्रत्येक वस्तु के स्वाद को लेने की कोशिश करनी चाहिए। प्राकृतिक भोजन, कृत्रिम अथवा आदमी के द्वारा बनाये गये भोजन से अधिक लाभदायक है। स्वादिष्ट और भारी भोज्य पदार्थ सामान्यतया नुकसानदेह होते हैं। पर्याप्त फल, हरी सब्जियाँ, दूध और लाभदायक भोजन हैं लेकिन जलवायु और मौसम के अनुसार वे बदल सकते हैं। विटामिन का ज्ञान बहुत आवश्यक है, भिन्न-भिन्न प्रकार के विटामिन भिन्न-भिन्न प्रकार से लाभदायक हैं। हमारे आहार में सभी प्रकार के विटामिन और खनिज लवण उचित अनुपात में होने चाहिए। इस प्रकार के आहार को सन्तुलित आहार कहते हैं।

इसलिए हमारे शरीर को सन्तुलित बनाये रखने के लिए हमें सदैव सन्तुलित आहार लेना चाहिए। नीचे दिए गए विटामिनों के प्राथमिक ज्ञान के हेतु चार्ट को देखिए—

(a) विटामिन A पाया जाता है

(i) हरी पत्तियों में जैसे—बन्दगोभी, अजमोदा, चुकन्दर, हालिम और गन्दना।

(ii) पीले तथा लाल फलों एवं सब्जियों में; जैसे—सन्तरा, टमाटर, गाजर आदि।

(b) विटामिन B पाया जाता है—सभी अन्न, अखरोट, दूध, अनेक सब्जियाँ; जैसे—चुकन्दर, बन्दगोभी, मटर, सेम आदि।

(c) विटामिन C पाया जाता है—सभी ताजा सब्जियों और फलों, विशेषतया अंकुरों में, बन्दगोभी, फूलगोभी, प्याज, पालक, आलू आदि।

(d) विटामिन D पाया जाता है—दूध में।

(e) विटामिन E पाया जाता है—सभी अनाजों, विशेष रूप से, गेहूँ के भ्रूण में, हरे पौधे, विशेष रूप से चुकन्दर, हालिम, हरी मटर, सेम और दूध।

2. धूम्रपान—धूम्रपान हमारी सेहत के लिए बहुत हानिकारक है। सिगरेट में बहुत उत्तेजक निकोटीन नामक पदार्थ होता है। सिगरेट पीने वाला पर्याप्त मात्रा में सिगरेट के साथ निकोटीन अपने अन्दर ग्रहण करता है। यह विशेषतया हाथ और पैर की धमनियों को सिकोड़ देता है। इस प्रकार दबाव जिसके विपरीत हृदय कार्य करता है, बढ़ जाता है। यह हार्ट-अटैक का कारण है।

इसके अतिरिक्त, अत्यधिक धूम्रपान फेफड़े पर विपरीत प्रभाव डालता है। बहुत अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की जगह कार्बन डाइ-ऑक्साइड हमारे शरीर में लिया जाता है। इस प्रकार खून जो ऑक्सीजन के द्वारा शुद्ध किया जाना चाहिए, दूषित (बेकार) हो जाता है जब इसमें CO_2 (कार्बन डाइ-ऑक्साइड) मिल जाती है। धूम्रपान करने वाला जो अत्यधिक धूम्रपान करता है, कफ (खाँसी) तथा अस्थमा (दमा) नामक बीमारियों से ग्रसित हो जाता है। न तो वह रात में गहरी नींद में सो सकता है, न ही दूसरों को सोने देता है।

अत: हर एक को धूम्रपान से बचना चाहिए। यदि तुम स्वयं को धूम्रपान करने से नहीं रोक सकते तो स्वयं पर तुम कुछ प्रतिबन्ध लगाओ। यदा-कदा केवल एक पाइप पिओ, अपने मित्रों की मण्डली में मत पिओ अन्यथा वे तुम्हें कई बार और पुन: धूम्रपान करने के लिए दबाव डालेंगे। एक और, दूसरे धूम्रपान के बीच लम्बा अन्तराल रखो। सिनेमाघर, चर्च, पढ़ने के कक्ष, लिफ्ट या ऐसे लोग इकट्ठा होते हैं, धूम्रपान मत करो।

3. व्यायाम—कुछ लोग सोचते हैं कि व्यायम जादुई शक्ति का आकर्षण है। यह हमारे शरीर को ठीक एवं मजबूत रखता है। परन्तु सदैव याद रखें कि मात्र व्यायाम कोई जादू नहीं है। अन्य कुछ महत्त्वपूर्ण वस्तुएँ भी इससे जुड़ी हैं। इसलिए व्यायाम करने के बारे में भिन्न-भिन्न लोगों के भिन्न-भिन्न विचार हैं, उनमें से कुछ विचार निम्नलिखित हैं—

व्यायाम करने का सबसे अच्छा नियम है जब कोई इसे करने की इच्छा महसूस करता है और कभी दूसरे समय नहीं। यदि व्यायाम करने की अधिक इच्छा हो, तो सभी सामाजिक या व्यापारिक व्यस्तताओं को छोड़कर व्यायाम करो। नियमित व्यायाम से कुछ भला नहीं हो सकता जो जीवन को एक नीरस मशीन में बदल देता है। दूसरी ओर, यदि व्यायाम की आवश्यकता महसूस करते हो, जहाँ कहीं भी हो इसे कर सकते हो, इसकी अवमानना मत करो, बल्कि इसका अनुसरण करो। तुम जहाँ कहीं घर, या अपने कार्यालय, या कार, या अन्य किसी दूसरे स्थान पर, तुम हल्का व्यायाम कर सकते हो, जैसे—पैर की एड़ी पर हल्के-हल्के और तेजी से डग बढ़ाओ, टाँग की माँसपेशियों को शक्ति दो और प्रत्येक घुटने को जहाँ तक सम्भव हो ठोड़ी के निकटतम लाओ।

लेकिन कुछ दूसरे लोग कहते हैं कि शरीर एवं इसकी प्रणाली को ठीक से कार्य करने के लिए ठीक समय पर नियमित व्यायाम बहुत आवश्यक है। व्यायाम करना हमारी दिनचर्या में शामिल होना चाहिए। नि:संदेह, व्यायाम बहुत अधिक नहीं करना चाहिए। हर कोई एथलीट या भार उठाने वाला चैम्पियन नहीं है, परन्तु एक नियमित व्यायाम बहुत आवश्यक है। एक या दो किलोमीटर प्रतिदिन प्रात: टहलना भी सहायता करेगा। दफ्तर या घर में कुछ सीढ़ियाँ चढ़ना भी हानि नहीं करेगा।

व्यायाम करने का मुख्य उद्देश्य शरीर के विभिन्न अंगों के जोड़ों को चलायमान, शुद्ध रक्तवाहिनी नलिकाओं (धमनियों में) चर्बी (फैट) इकट्ठा होने को रोकना और रखना शरीर

को क्रियाशील बनाये रखना है। नियमित व्यायाम नये रक्त के मार्ग के विकास में सहायक होता है।

4. अत्यधिक तनाव—हमारी सेहत के लिए अत्यधिक तनाव, अकारण थकावट सबसे अधिक खतरनाक है अत: उनसे बचो। बहुत अधिक कार्य मत करो, मात्र लम्बे समय तक शरीर को ठीक रखने की केवल यही विश्वसनीय दवा है। जब कभी तुम बहुत अधिक काम करना महसूस करते हो, एक क्षण के लिए रुको और एक किताब पढ़ो या किसी से बात करो या अखबार कॉर्नर (नजदीक की छोटी दुकान) से खरीदो और तब अपना कठिन काम पुन: आरम्भ करो। हजारों लोग इस क्षण भी इंग्लैण्ड में रह रहे हैं, लम्बे काल से आज के जल्दी एवं चिन्तित समय में जिन्होंने ये अनुकरणीय नियम अपनाये हैं। अल्प आनन्द से सन्तुष्ट होने वाला भी होना चाहिए। एक सप्ताह में आधे दर्जन से अधिक दावतों, नृत्यों, थियेटरों, चलचित्रों आदि में सम्मिलित नहीं होना चाहिए।

5. निद्रा—अच्छी सेहत के लिए सोना भी महत्त्वपूर्ण है। सामान्य आदमी के लिए 6 या 7 घण्टे की निद्रा पर्याप्त होती है। लेकिन यह समय अलग व्यक्तियों के लिए अलग है। एक आदमी जो बहुत अधिक शारीरिक श्रम करता है, उसे अधिक नींद की आवश्यकता होती है। सोते समय हमारे शरीर के अनेक अंग विश्राम करते हैं। इस प्रकार, आदमी जब वह जागता है, पुन: ताजा महसूस करता है और अपने कार्य को और अधिक उत्साह से करता है। बिना उचित नींद के, आदमी स्वयं पूरे दिन सुस्त महसूस करता है। वह किसी भी कार्य में रुचि नहीं लेता है। दिन में सोने से जहाँ तक सम्भव हो बचना चाहिए। कुछ लोगों की आदत दिन में भोजन के बाद एवं बसों में और रेल-गाड़ियों में सोने की है। यह उन्हें आराम देता है। यदि तुम बहुत देर तक सोते हो, इसका अर्थ, तुम्हारा शरीर ज्यादा समय के लिए पोषण नहीं पाता है, यह ऊतकों को कमजोर बनाता है, जीवन क्षमता को कम करता है, हृदय की ग्रन्थियों को ढीला कर देता है और विटामिनों को उत्तेजित करता है।

सदैव याद रखो—

जल्दी सोना और जल्दी जागना,

एक आदमी को स्वस्थ, धनवान और बुद्धिमान बनाता है।

जब तुम सोने जाओ (बिस्तर पर) तुम्हारा दिमाग किसी प्रकार की उत्तेजना, चिन्ताओं और विचारों से मुक्त होना चाहिए। सोने जाने से पहले, समाचार-पत्र पढ़ो अथवा कोई पुस्तक, जब तक तुम सो न जाओ।

अत: अपने को कभी भी अति उत्तेजित या ऊबने मत दो। सदैव अच्छे लोगों की संगति अथवा अच्छी पुस्तकें प्राप्त करो और क्रोध, लालच, ईर्ष्या आदि को त्यागो। सदैव प्रसन्नचित्त रहो और किसी चीज की चिन्ता मत करो। तब तुम जीवन के फल का आनन्द लोगे और दीर्घायु होगे।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (a), **4.** (c), **5.** (c), **6.** (c).

II. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. F, **2.** F, **3.** F, **4.** F, **5.** F.

III. Answer the following questions :

1. Our body is a delicate automatic machine. We should follow certain rules to keep it fit for a longer time.
2. The golden rule of diet is **Eat to live and don't live to eat**. It means that a person should eat and drink what is needed and not more than that.
3. We should eat according to the capacity of our stomach and satisfaction. When we stop eating or drinking, nothing more should be taken. We should take a balanced diet.
4. A balanced diet consists of all types of vitamins and minerals in proper proportion. It is necessary to keep our body fit and strong.
5. Smoking is harmful for health because with every cigarette, nicotine goes into our body and constricts arteries and thus raises blood pressure. If one cannot avoid it, he should have a long interval between two smokes.
6. Our opinion about exercise is that its to be done when one feels like it. The other opinion is that regular exercise at a proper time is necessary for fitness. We should do some mild exercise to keep our body fit.
7. Overstrain is excess work without having rest. It causes fatigue. We can avoid it by stopping for a little while whenever we feel as if we working too hard.
8. A healthy man should sleep for six or seven hours. Sound sleep makes one refreshed and active.
9. A man can be healthy, wealthy and wise by going early to bed and early to rise.
10. We have learnt five golden rules for a long life—They are as follows we should eat and drink all that we need and avoid smoking. We should take some exercise to keep the body fit. Overstrain is harmful. The fifth rule is that we should have a sound sleep for six hours.

Language Skill Practice

IV. Match the words given under 'A' with their meanings given under 'B' :

A	B
1. bracing	(d) **giving strength**
2. modified	(f) **simplified**
3. allied	(h) **combined**
4. injurious	(g) **harmful**
5. beneficial	(c) **useful**
6. leek	(b) **a bulbous plant**
7. parsley	(a) **a plant with aromatic leaves**
8. minerals	(e) **inorganic substances**

V. Correct the spellings :

asthna	**asthma**	capecity	**capacity**	smokeng	**smoking**
vitamens	**vitamins**	overstrane	**overstrain**		
dalicious	**delicious**				

Keep in Mind!

VI. Do it yourself.

VII. Write a paragraph on 'How Can You Live Longer?

It is by following nature that we can live longer and healthier. Nature has given us many things to eat and enjoy. Natural food is the best. Fresh air and cold water are gifts of God. It is necessary to do some physical work. Good books are our best friends. Drinking, smoking, aimlessly wandering here and there and day-dreaming should be avoided.

13. The Hospitality of Shiraz

हिन्दी अनुवाद

इश्फाहान और शिराज ईरान के दो सुन्दर राज्य थे। एक बार शिराज का अमीर इश्फाहान गया। वह इश्फाहान के अमीर का अतिथि था। उसका मेजबान द्वारा अच्छा बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

उस स्थान पर पहुँचकर, शिराज के आमिर को स्वादिष्ट शराब तथा फल पेश किए गए और फिर उसे सुन्दर और आरामदायक कमरे में आराम के लिए ले जाया गया। इश्फाहान का अमीर, अतिथि को अपने धन और शैली से प्रभावित करना चाहता था।

शाम के समय नौकर आया और बताया कि भोजन तैयार है। शिराज के अमीर ने आज तक मीट, सब्जियों, महँगे पकवान और मिठाइयों के इतने प्रकार नहीं देखे थे।

"भोजन काफी लजीज और स्वादिष्ट दिखाई पड़ता है। मुझे लगता है कि आपके बावर्ची निपुण हैं," शिराज के अमीर ने कहा।

"मैंने देश के सर्वश्रेष्ठ बावर्चियों को लगाया है। अच्छे से खाओ मित्र, आप लम्बी यात्रा करके थक गए होंगे," मेजबान ने कहा।

"मैं थका नहीं हूँ। मैंने काफी आराम कर लिया था," अतिथि ने कहा।

इश्फाहान के अमीर ने देखा कि उसका अतिथि बहुत कम भोजन खा रहा था।

"क्या तुम्हें भोजन अच्छा नहीं लगा?" मेजबान ने पूछा। "भोजन बहुत अच्छा है। लेकिन मैं अधिक भूखा नहीं हूँ। तुम हमारे राज्य में अवश्य आना तथा बहुचर्चित शिराज के भोज में हिस्सा लेना," अतिथि ने कहा।

इश्फाहान का अमीर निराश और क्रोधित दोनों था। वह अपने अतिथि को प्रभावित करना चाहता था; किन्तु वह प्रभावित न हुआ और इसके अलावा शिराज के भोज की प्रशंसा कर रहा था। इश्फाहान का अमीर अपने अतिथि को दिए गए इस भोज से अधिक और कुछ नहीं सोच सकता था। अब वह अपने लिए यह जानने को आतुर था कि शिराज का महान भोज कैसा होगा।

अगली सुबह जब अतिथि जा रहा था, उसने इश्फाहान के अमीर को आमन्त्रित किया।

इश्फाहान के अमीर की शिराज की यात्रा के लिए बड़ी तैयारियाँ की गईं। जब वह उस सुन्दर शहर में पहुँचा तो, मेजबान ने बड़ी गर्मजोशी के साथ उसका स्वागत किया। पर आराम के लिए पूछने की बजाए, बोला, "आओ शिकार पर चलें, मेरे मित्र। तुम्हें इसमें आनन्द आएगा।"

वे घोड़ों पर जंगल के लिए चल दिए। एक हिरण का पीछा करते हुए, वे कई घण्टों तक चलते रहे। इश्फाहान का अमीर, जिसने इतने लम्बे समय के लिए कभी घुड़सवारी नहीं की थी, वह थक गया तथा भूखा हो गया। वे महल में वापस आए। इश्फाहान के अमीर को बहुत भूख लग रही थी। उसके मेजबान ने कहा, "भोजन परोसे जाने में अभी समय है। इस बीच मैं तुम्हें महल के संग्रहालय में ले चलता हूँ।"

संग्रहालय बड़ा था। वे कई बार सीढ़ियों से ऊपर-नीचे गए। इश्फाहान का अमीर भोजन के लिए और अधिक इंतजार नहीं कर सकता था। अपने जीवन में वह पहले कभी इतना भूखा नहीं रहा।

अत: भोजन परोसा गया। वह साधारण भोजन था। इश्फाहान का अमीर इतना भूखा था कि उसने तुरन्त खाना शुरू कर दिया। उसने भूखे भेड़िए की तरह भोजन किया।

उसके मेजबान ने मुस्कराते हुए पूछा, "मेरे प्यारे मित्र, तुम्हें शिराज का भोजन कैसा लगा?"

"यह बहुत अच्छा था और मुझे मानना होगा कि मैंने अपने पूरे जीवन में इतना भोजन नहीं खाया," इश्फाहान के अमीर ने उत्तर दिया। "मैं अपने बावर्चियों को निकाल दूँगा। मैं उन्हें मोटी पगार देता हूँ, तब भी उन्होंने कभी भी इतना स्वादिष्ट भोजन तैयार नहीं किया। वे मुझे धोखा दे रहे थे।"

यह तुम्हारे बावर्चियों की गलती नहीं है, मेरे मित्र। यह इसलिए हुआ क्योंकि आज तुम वास्तव में भूखे हो, क्योंकि आज तुमने बहुत श्रम किया है। जब तक तुम वास्तव में भूखे न हो, मेरे मित्र, तुम संसार के सर्वश्रेष्ठ भोजन का भी आनंद नहीं ले पाओगे और यदि तुम भूखे हो, तो प्रत्येक भोजन शिराज के भोज जैसा ही होगा।"

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (b), **3.** (b).

II. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. T, **2.** F, **3.** T, **4.** F, **5.** T.

III. Answer the following questions :

1. The Amir of Isfahan welcomed his guest with delicious wines and fruits and took him to a beautiful and comfortable room to rest.

2. The Amir of Shiraz could not eat much despite the delicious dinner served to him because he was not very hungry.

3. The Amir of Isfahan was anxious about the dinner which was to be served to him in Shiraz.

4. The Amir of Isfahan was so hungry because he had been busy throughout the day.

5. Unless you are really hungry, you cannot enjoy even the best food in the world, and if you are hungry, then even a simple meal is like the dinner of Shiraz.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

walcome	**welcome**	vareity	**variety**	exparts	**experts**
anounced	**announced**	servarel	**several**	dinnar	**dinner**

V. Match the words with their meanings :

delicious	**tasty**
offered	**served**
engaged	**employed**
host	**one who entertains guests**
pecking	**eating very little**
splendour	**wealth**
chasing	**following**
reached	**arrived**

Keep in Mind!

VI. Fill in the blanks with the words given in the box :

There was a very rich man who had **engaged** expert cooks. The cooks **prepared** very **delicious** food, but the rich man usually had no **appetite;** because he never did any **physical** exercise. He wanted to **rest** all the time on his **comfortable** bed. Even the most delicious **dishes** offered to him were **tasteless** for him.

14. I Remember, I Remember

हिन्दी अनुवाद

मुझे याद है, मुझे याद है
वह घर जहाँ मैं जन्मा,
छोटी खिड़की जहाँ से सूरज
सुबह को अन्दर झाँकता था;
वह कभी भी एक क्षण भी पहले नहीं आया
न ही कभी लम्बा दिन साथ लाया;
पर अब, मैं प्राय: सोचता हूँ कि रात
मेरी साँसें ले गयी होती।

मुझे याद है, मुझे याद है
गुलाब, लाल और सफेद,
बनफ्शा और कुमुदिनी का फूल
वे फूल जो प्रकाश से बने हैं!

बकाइन का फूल जो रॉबिन पक्षी ने बनाया,
और जहाँ मेरे भाई ने अपने
जन्मदिन पर पीले फूल का पौधा लगाया,
वह पेड़ अभी भी जीवित है!

मुझे याद है, मुझे याद है
जहाँ मैं झूला झूलता था,
और सोचता थ कि हवा
अबाबील चिड़िया को छूने के लिए चलती है;
मेरी आत्मा तब पंखों में उड़ जाती थी
जो अब कितनी भारी है,
और गर्मी में तालाब मुश्किल से ही
मेरी भौंह पर ठहरे बुखार को शान्त कर पाते।

मुझे याद है, मुझे याद है,
घने लम्बे देवदार के वृक्ष;
मैं उनकी पतली चोटियों को
आसमान के करीब समझता था:

वह एक बचकानी अज्ञानता थी,
लेकिन अब थोड़ी सी खुशी है
यह जानकर कि मैं स्वर्ग से बहुत दूर हूँ
उस समय जब मैं बालक था।

—थॉमस हुड

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (b).

II. Fill in the blanks :

1. fever, **2.** house, **3.** ignorance, **4.** lilacs, **5.** peeping.

III. Answer the following questions :

1. The poet remembers the red and white roses, the violet and lily flowers.

2. In the third stanza of the poem, the poet remembers to swing.

3. The fir trees are dark and high. They have slender tops which seen very close to the sky.

4. The poet is now grown up person who does not have the dreams, curiosity and imagination of a small boy. So he is now farther off from heaven.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

ignorance, swallow, spirit, laburnum, remember, window

V. Match the related words :

red and white	**roses**
lily	**cups**
summer	**pools**
fir	**trees**
slender	**tops**
childish	**ignorance**
little	**joy**
farther	**off**

Keep in Mind!

VI. Riddles to Ponder; Do you know-the answer to these riddles?

1. Shadow, **2.** Towel, **3.** River, **4.** Air.

15. The Ungrateful Man – from Panchtantra

हिन्दी अनुवाद

किसी नगर में एक ब्राह्मण रहता था जिसका नाम सैक्रीफाइस था। प्रत्येक दिन उसकी पत्नी, गरीबी पर नाराज होते हुए, उससे कहती—"जाओ ब्राह्मण जाओ! आलसी-निठल्ले! निष्ठुर! क्या तुम अपने भूखे मरते हुए बच्चों को नहीं देखते हो , निठल्ले घूमते रहते हो? कहीं भी जाओ, किसी तरह, कोई रास्ता निकालो, भोजन पाने के लिए, और शीघ्र वापस आओ।"

अन्त में ब्राह्मण इस हर दिन की डाँट से घबराया हुआ, एक लम्बी यात्रा के लिए निकल पड़ा और कुछ दिनों में उसने एक विशाल जंगल में प्रवेश किया। जब वह इस जंगल में भूखा घूम रहा था, वह पानी की तलाश करने लगा और एक निश्चित स्थान पर वह एक कुएँ के पास आ गया, जो अधिक घास से ढका था। जब उसने उसके भीतर देखा, उसने एक चीता, एक बन्दर, एक साँप और एक आदमी को कुएँ की तलहटी में पाया। उन्होंने भी उसे देखा।

तब चीते ने सोचा : "यहाँ एक आदमी आया है," और वह चिल्लाया; "ए महान् (सज्जन) आत्मा, जीवन बचाने का महान पुण्य है। उसके बारे में सोचो और मुझे बाहर खींचो, ताकि मैं अपने प्रिय मित्रों, पत्नी, पुत्रों और रिश्तेदारों की संगति में रह सकूँ।"

"क्यों", ब्राह्मण ने कहा, "तुम्हारे नाम मात्र की ध्वनि से प्रत्येक जीवधारी काँप उठता है। मैं मना नहीं कर सकता कि मैं तुमसे डरता हूँ।" लेकिन चीते ने पुन: कहना प्रारम्भ किया "मैं स्वयं को तीन बार कसम से बाँधता हूँ कि तुम्हें मुझसे किसी खतरे की आशंका नहीं है। दया करो और मुझे बाहर निकालो।" तब ब्राह्मण ने इस निष्कर्ष पर विचार किया : "यदि किसी के जीवन की रक्षा करते हुए घोर विपत्ति में पड़ गया तो इस विपत्ति का परिणाम 'मुक्ति' होगा।" इसलिए उसने चीते को बाहर खींच लिया।

उसके बाद बन्दर ने कहा, "पुण्य महात्मन्, मुझे भी बाहर निकालो।" ब्राह्मण ने उसे भी बाहर निकाला। तब साँप ने कहा, "ब्राह्मण, मुझे भी बाहर निकालो।" लेकिन ब्राह्मण ने उत्तर दिया : "हर एक तुम्हारे नाम की ध्वनि से थरथराता है, तुम्हें स्पर्श करते हुए तो कितना अधिक भय होगा।" "लेकिन", साँप ने कहा, "हम स्वतन्त्र अभिकर्ता नहीं हैं। हम केवल आदेशों के अधीन काटते हैं। मैं अपने आप पर तिहरी कसमों में प्रतिबन्ध लगाता हूँ कि तुम्हें मुझसे डरने की जरूरत नहीं है।" इसे सुनने के बाद ब्राह्मण ने उसे भी खींचकर बाहर निकाल दिया। तब उन जानवरों ने कहा, "वह आदमी जो नीचे कुएँ में है, प्रत्येक पापों का मंदिर है। सावधान रहो। उसे बाहर मत निकालो। उस पर विश्वास मत करो।"

और इसके आगे चीते ने कहा, "क्या तुम अनेक चोटियों वाले इस पर्वत को देखते हो? मेरी गुफा उत्तरी ढलान की वृक्षयुक्त कन्दरा में है। आप अवश्य कृपा करके मेरे यहाँ किसी दिन पधारें, ताकि मैं आपकी दयालुता का बदला चुका सकूँ। मैं इस कर्ज को अगले जीवन के लिए रोके रखना नहीं चाहता।" इन शब्दों के साथ वह अपनी गुफा के लिए चल दिया।

तब बन्दर ने कहा, "मेरा घर गुफा के बिल्कुल करीब है, झरने बराबर में। कृपया एक बार मेरे पास वहाँ पधारें।" इन शब्दों के साथ उसने प्रस्थान किया।

तब साँप ने कहा, "आपातकाल में मुझे याद करना।" और वह अपने रास्ते पर चला गया।

तब कुएँ से आदमी बार-बार चिल्लाया : "ब्राह्मण! मुझे भी बाहर निकालो।" और अन्त में ब्राह्मण की दया जाग गयी और उसने यह सोचते हुए बाहर निकाला, "वह मेरे जैसा आदमी है।" और उस आदमी ने कहा, "मैं स्वर्णकार हूँ और भड़ूच में रहता हूँ। यदि तुम्हें कभी सोने-चाँदी से आभूषण बनवाने हों तो मेरे पास लाना।" इसके साथ ही उसने अपने घर के लिए प्रस्थान किया।

इसके उपरान्त ब्राह्मण ने अपने भ्रमण को जारी रखा, लेकिन उसे कुछ भी नहीं मिला। जैसे ही उसने अपने घर के लिए प्रस्थान किया, उसने बन्दर के निमन्त्रण को याद किया। इसलिए वह उसके पास गया, बन्दर को घर पर पाया और अमृत की तरह मीठे फलों को प्राप्त किया, जिन्होंने उसमें नवजीवन भर दिया। बन्दर ने कहा, "यदि आपको कभी भी फलों की आवश्यकता हो, आप किसी भी समय यहाँ आएँ। आपने एक मित्र का कर्त्तव्य निभाया है," ब्राह्मण ने कहा, "लेकिन कृपया मेरा चीते से परिचय कराएँ।" इसके लिए बन्दर आगे-आगे चला और चीते से मिलवाया।

अब चीते ने उसे पहचान लिया और उसकी दयालुता के बदले, उसने ब्राह्मण को एक गले का हार और सोने के बने हुए दूसरे आभूषण दिये यह कहते हुए, "एक राजकुमार, जिसका घोड़ा उसके पास से भाग गया था, यहाँ अकेले आया और जब वह मेरी छलाँग के भीतर (पहुँच में) था, मैंने उसे मार डाला। यह सब मैंने उससे लिया और तुम्हारे लिए सावधानी से रखा। कृपया इसे स्वीकार करें और जहाँ आप चाहें चले जाएँ।"

इस प्रकार ब्राह्मण ने उसे लिया, फिर उसने स्वर्णकार को याद किया और उसके पास यह सोचते हुए गया, "वह इन आभूषणों को बेचने में मेरी सहायता करेगा।" अब स्वर्णकार ने उसका सम्मानपूर्वक आतिथ्य सत्कार किया, पैर धोने के लिए जल, एक सम्मानजनक उपहार, बैठने के लिए आसन, स्वादिष्ट भोजन और मृदुल पेय और दूसरी वस्तुएँ देते हुए कहा, "मुझे आदेश दें, श्रीमान, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ।" ब्राह्मण ने कहा, "मैं तुम्हारे पास

सोना लाया हूँ। कृपया इसे बेच दो।" मुझे सोने को दिखाएँ," स्वर्णकार ने कहा और ब्राह्मण ने वैसा ही किया।

अब स्वर्णकार ने आभूषणों को देखा और सोचा, "मैंने इन आभूषणों को राजकुमार के लिए तैयार किया था।" और इस तथ्य से आश्वस्त होते हुए उसने कहा, "कृपया यहाँ ठहरो, जब तक मैं इसे किसी को दिखाता हूँ।" इसके साथ वह राजदरबार में गया और आभूषणों को राजा को दिखाया। इसे देखकर राजा ने पूछा, "तुमने यह कहाँ पाये?" और स्वर्णकार ने उत्तर दिया : "मेरे घर में एक ब्राह्मण है। वह इस आभूषण को लाया।"

इस पर राजा ने सोचा, "उस दुष्ट ने निस्सन्देह मेरे पुत्र की हत्या की। मैं उसे दिखाऊँगा कि ऐसा करने पर क्या परिणाम मिलता है।" और उसने सिपाहियों को आदेश दिया, "इस दुष्ट ब्राह्मण को बेड़ियाँ पहनाकर यहाँ लाओ और कल प्रात: सूली पर चढ़ा दो।" जब ब्राह्मण को बेड़ियाँ पहना दी गईं, उसने साँप को याद किया, जो तुरन्त प्रकट हुआ और बोला, "मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ?" "मुझे इन बेड़ियों से मुक्त करो।" ब्राह्मण ने कहा। और साँप ने उत्तर दिया, "मैं राजा की प्रिय रानी को डस लूँगा। तब, किसी भी महान सपेरों के तन्त्र-मन्त्र के प्रभाव से अथवा विष उतारने वाली दवाओं से ठीक होने के बजाय जो दूसरे काय-चिकित्सों द्वारा दी जायेंगी इनका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, मैं अपने विष को बनाये रखूँगा। केवल तुम्हारे हाथ के स्पर्श से ही जहर का प्रभाव दूर होगा। तब तुम आजाद हो जाओगे।"

इस वचन को देकर, साँप ने रानी को डस लिया, जिससे महल में निराशापूर्ण कोहराम मच गया और सम्पूर्ण शहर व्याकुलता से भर गया। तब उन्होंने विष हरने वालों, तान्त्रिकों, वैज्ञानिकों, औषधि-विक्रेताओं और विदेशियों को बुलाया जो अपने साधनों से ऐसे मामलों का उपचार करते थे, लेकिन जहर के प्रभाव को कोई दूर न कर सका। अन्तत: डंका बजाकर घोषणा की गई, जिसे सुनकर ब्राह्मण ने कहा, "मैं उसे ठीक करूँगा।" जिस क्षण वह बोला, उन्होंने उसे उसके बन्धनों से मुक्त कर दिया, उसे राजा के पास ले गये और उसे मिलवाया। और राजा ने उससे कहा, "उसे ठीक करें, श्रीमान।" इसलिए वह रानी के पास गया और रानी को मात्र हाथ के स्पर्श से ठीक कर दिया।

जब राजा ने रानी को पुन: जीवित होते देखा, उन्होंने ब्राह्मण को आदर और सम्मान दिया तथा तब उसने ब्राह्मण से सम्मानपूर्वक पूछा, "सत्य बताइए, श्रीमान। आपको ये सोना कैसे मिला?" तब ब्राह्मण ने सभी साहसिक विवरण ठीक-ठीक बयान कर दिया। जैसे-ही राजा को तथ्य का पता चला, उन्होंने स्वर्णकार को गिरफ्तार करवा लिया और ब्राह्मण को एक हजार गाँव देकर उसे अपना निजी सलाहकार नियुक्त कर दिया। ब्राह्मण ने अपने परिवार को बुला भेजा, मित्र और सगे सम्बन्धी भी आ मिले, भोजन और अन्य प्राकृतिक आमोद-प्रमोद में शामिल होकर आनन्द मनाया, अनेक यज्ञों को करके अति आवश्यक पुण्य फल पाया, शाही कार्यों के सभी पहलुओं के लिए सतर्क मनोयोग द्वारा सत्ताधिकार प्राप्त किया तथा सुखपूर्वक रहा।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (b), **3.** (b), **4.** (a), **5.** (c).

II. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. T, **2.** F, **3.** T, **4.** T, **5.** F.

III. Answer the following questions :

1. The Brahmin's wife asked him to go anywhere to get food for the children and come back in a hurry.

2. In the well, the Brahmin saw a tiger, a monkey, a snake and a man.

3. In saving the life of the tiger, the Brahmin thought , "If disaster befalls in the saving of life, it is a disaster that spells salvation."

4. The animals requested the Brahmin not to pull the man out of the well saying that the man down there was a shrine of every sin and he was not to be trusted.

5. Despite the warning of the animals, the Brahmin agreed to pull the man out of the well because his pity was awakened as he was a man just like him.

6. The tiger gave a necklace and other gold ornaments, to the Brahmin. These items to a prince.

7. The king issued orders to put the Brahmin in fetters and impale him the next morning.

8. The snake bit the queen and the poison was neutralized only when the Brahmin touched her. This way, the snake helped the Brahmin.

9. When the king saw the queen restored to life, he set the Brahmin free and honoured him. Then the Brahmin told the king the whole story and the king got the goldsmith arrested.

10. The king rewarded the Brahmin for saving his queen's life by giving him a thousand villages and appointing him his a privy counsellor.

11. This saying is best illustrated by the actions of the man whom the Brahmin pulled out of the well. Instead of being grateful to the Brahmin, he had him arrested as the suspect for the prince's murder.

Language Skill Practice

IV. Match the words under 'A' with their meanings given under 'B' :

'A'	'B'
1. refrain	**(c)** to check
2. oath	**(d)** a solemn promise
3. shudder	**(e)** tremble with fear
4. reflected	**(b)** thought
5. impale	**(a)** to put to death

V. In each of the following sentences, replace the adjectives in italics by an adjective phrase of the same meaning. You may take help from the example given below :

1. A crow, *suffering from thirst,* was in search of water.

2. Deeds *worthy of a hero,* deserve our admiration.

3. He wears a turban, *made of silk.*

4. She was a lady, *full of promise.*

5. I met a little girl, *full of courage.*

Keep in Mind!

VII. Here is a crossword puzzle with a difference. You have to write the clues. Write your clues like this :

Across (→) : 1. To bring, **2.** engrave, **3.** To satisfy one's thirst, **5.** hurt or harm someone

Down (↓) : 2. To captivate, **3.** To tremble, **4.** To pay attention.

16. The Beehive and Its residents

हिन्दी अनुवाद

आप जानते हैं कि मधुमक्खियाँ भिनभिनाती हैं। आप यह भी जानते हैं कि मधुमक्खियाँ शहद बनाती हैं। आप में से कुछ को मधुमक्खी ने डंक मारा होगा। पर क्या आप जानते हैं कि मधुमक्खियाँ क्यों भिनभिनाती, डंक मारती या नाचती हैं।

गर्मियों की सुबह में आप कई मधुमक्खियों को एक फूल से दूसरे फूल पर मँडराते हुए देखते हैं। वे रस और पराग को एकत्रित करने के लिए अनगिनत चक्कर लगाती हैं। रस एक मीठा, गाढ़ा शीरा है, जो फूलों के निचले स्थानों पर पाया जाता है। मधुमक्खी अपने पतले नली जैसे मुँह से इसे खींचती है। एकत्रित किया गया रस छत्ते में ले जाकर शहद में बदला जाता है। सामान्यत: वे मधुमक्खियाँ जो एक विशिष्ट फूल पर आती हैं, एक ही छत्ते से सम्बन्धित होती हैं। मधुमक्खियाँ शहद बनाने के लिए अत्यधिक मेहनत करती हैं।

मधुमक्खियों का छत्ता ऐसा प्रतीत होता है, मानो कई सौ मधुमक्खियों का झुंड हो परन्तु ऐसा नहीं है। प्रत्येक मधुमक्खी का छत्ता बहुत ही व्यवस्थित इकाई है। प्रत्येक मधुमक्खी के छत्ते में एक रानी मधुमक्खी होती है। उसमें अनेक नर मधुमक्खियाँ भी होती हैं। इन्हें श्रमिक मधुमक्खियाँ कहते हैं। रानी मधुमक्खी प्रत्येक छत्ते का गौरव है। एक छत्ते में एक से अधिक रानी नहीं हो सकतीं। रानी के चयन के लिए भयानक युद्ध होता है। रानी को उसके आकार और आकृति द्वारा पहचाना जा सकता है। वह प्रत्येक दिन तीन हजार अण्डे तक दे सकती है, जिसका अर्थ है—हर पाँच मिनट में दस अण्डे। श्रमिक मधुमक्खियाँ निर्माण और मरम्मत करने वाली, सफाई और शहद एकत्रित करने वाली, नर्स और भोजन लाने वाली होती हैं। निर्माण और मरम्मत करने वाली श्रमिक मधुमक्खियाँ मोम बनाती हैं। वे मोम को गूँथकर और ढालकर कोठरियाँ बनाती हैं। कुछ मधुमक्खियों का कार्य नए अण्डों के लिए कोठरियों को साफ करने का होता है। नर्स और भोजन लाने वाली मधुमक्खियाँ डिम्ब को पोषित करती हैं। वे पराग और शहद से मधुमक्खियों की 'बी ब्रेड' बनाती हैं। छोटा डिम्ब मधुमक्खियों के दूध से पोषित होता है। क्या विश्वास करेंगे कि डिम्ब को देखने नर्स मधुमक्खियाँ एक दिन में तेरह सौ बार आती हैं। अब आप समझ सकते हैं कि ये छोटे जीव कितने मेहनती और व्यस्त होते हैं। पूरे जीवनकाल में प्रत्येक मधुमक्खी को यही कर्त्तव्य निभाने होते हैं।

कई बार मधुमक्खियों का छत्ता इतना भर जाता है कि एक विशेष घटना होती है। मधुमक्खियों का झुंड रानी के साथ छत्ता छोड़कर नई बस्ती स्थापित करता है। इसको स्वार्मिंग

कहते हैं। मधुमक्खियाँ नए घर की तलाश करती हैं, नए छत्ते के लिए उपयुक्त स्थान ढूँढने से पूर्व मधुमक्खियो की यह भीड़ पेड़ की शाखा पर बैठ जाती है। कुछ मधुमक्खियाँ खोजी दस्ता बनाती हैं और नए स्थान को ढूँढने के लिए उड़ जाती हैं। एक बार स्थान का चयन होने पर वे वापस उसी भीड़ के पास उड़ जाती हैं। और फिर नृत्य शुरू हो जाता है। यह नृत्य भीड़ को नए स्थान से अवगत कराने के लिए है।

जब कोई मधुमक्खी भोजन के स्थान को ढूँढ लेती है तो वह अन्य मधुमक्खियों को नृत्य द्वारा बताती है। यदि भोजन का स्थान नजदीक है तो मधुमक्खियाँ वृत्ताकार नृत्य करती हैं। यदि वह 90 मीटर से अधिक दूरी पर है तो नृत्य पूँछ हिलाकर किया जाता है। मधुमक्खियाँ आठ की आकृति में नृत्य करती हैं। पहले से सीधी रेखा में जाती हैं, फिर बाईं तरफ अर्द्ध गोलाकार जाती हैं और फिर वापस शुरू के स्थान पर आती हैं। उसके पश्चात् फिर से सीधी रेखा में तथा दाईं ओर अर्द्धगोलाकार जाती हैं। इस नृत्य में मधुमक्खियाँ अपने शरीर को हिलाती हैं और साथ ही पंख भिनभिनाती हैं। अन्य मधुमक्खियाँ नृत्य से बता सकती हैं कि भोजन का स्थान कितनी दूर है। यदि वह बहुत दूर है तो नृत्य देर तक चलता है। यदि वह आस-पास ऊपर ही है तो मधुमक्खियाँ ऊपर की ओर लम्बवत उड़ती हैं। यह अचम्भित करने वाला है कि अन्य मधुमक्खियाँ नृत्य का अर्थ कैसे निकालती हैं। नृत्य का प्रकार समझकर वे भोजन का स्थान ढूँढने के लिए बाहर निकलती हैं, और पहले ही प्रयास में उसे आसानी से ढूँढ लेती हैं। अत: अगली बार आप किसी मधुमक्खी को या मधुमक्खियों के झुंड नाचते हुए देखें, उसके पीछे का संदेश समझने का प्रयास करें।

और मधुमक्खियाँ डंक क्यों मारती हैं? प्रकृति ने अधिकतर जीवों को अपनी सुरक्षा के लिए एक विशेष प्रणाली प्रदान की है। मधुमक्खी का डंक उसका हथियार है। डंक में विषैली झिल्लियों की दो थैलियाँ होती हैं। मधुमक्खी के डंक मारने पर इन झिल्लियों से विष बाहर जख्म में डाला जाता है। डंक पर छोटे काँटे होते हैं। एक बार मधुमक्खी आप की खाल में डंक पहुँचा दे, उसे मारना इन काँटों के कारण कठिन हो जाता है। अत: डंक और विषैली झिल्ली की थैलियाँ खाल में छूट जाती हैं। यह विष खाल में दर्द व सूजन पैदा करता है।

बेचारी मधुमक्खी अपने डंक को खोने के कुछ देर बाद ही मर जाती है। आप सोच रहे होंगे अपने प्राण के मूल्य पर मधुमक्खी डंक क्यों मारती है? मधुमक्खी एक बहादुर सैनिक की भाँति होती है, जो अपने समुदाय के लिए प्राण त्याग देती है। प्रत्येक मधुमक्खी के छत्ते में कुछ मधुमक्खियाँ सुरक्षा करने का कार्य करती हैं। यदि तुम मधुमक्खी के छत्ते के पास जाओगे, तो ये सुरक्षाकर्मी मधुमक्खियाँ पूरे छत्ते को सचेत कर देंगी। ये एक गंध छोड़ती हैं, जो इन्हें आक्रामक बनाती है तथा ये दुश्मन पर हमला बोल देती हैं।

मधुमक्खियाँ कीड़ों और अन्य समुदाय की मधुमक्खियों, जो शहद चुराने का प्रयास करती हैं, पर हमला करती है और डंक मार देती है। जब ये अन्य कीड़ों और मधुमक्खियों को डंक मारती हैं तो ये आसानी से अपना डंक निकाल लेती हैं। अत: ऐसे हमलों में ये आसानी से नहीं मरतीं।

क्या आप जानते हैं कि मधुमक्खियाँ इंसान की तरह ही सूँघ सकती हैं? वे भी इंसान की तरह ही स्वाद ले सकती हैं। उनके स्वाद लेने के अंग मुँह में शीर्ष तथा आगे की टाँगों में स्थित होते हैं। हमारी तरह ही वे मीठी, खट्टी, नमकीन और कड़वी वस्तु का स्वाद ले सकती हैं। किन्तु मधुमक्खियों की दृष्टि अच्छी नहीं होती। वे एक आकृति को दूसरी आकृति में अंतर नहीं

कर सकतीं। वे प्राय: विभिन्न फूलों पर जाने के लिए अपनी सूँघने की शक्ति पर निर्भर रहती हैं।

अत: आप देखते हैं कि साधारण छोटी मधुमक्खी वास्तव में एक चतुर कीट है। हमारी तरह वह सामाजिक है तथा बड़े समुदायों में रहती है। एक छत्ते की मधुमक्खियाँ शान्ति से रहती हैं। वे अपने पूरे जीवनकाल में कड़ी मेहनत करती हैं और व्यस्त रहती हैं। हमें इन मधुमक्खियों से कुछ सबक लेना चाहिए।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (c), **3.** (c).

II. Complete the sentences in your own words :

1. Bees often depend on their sense of smell while visiting different flowers because **bees do not have a goodsight.**
2. When a bee stings someone, its **difficult to kill it due to these barbs.**
3. Endless trips are made to flowers to **collect nectar and pollen.**
4. A beehive is not merely a cluster of bees. In fact, it is a **swarm.**
5. If the source of food is close **the bee dances a round dance.**
6. If bees sense danger they start **spreading a smell their make them aggressive.**
7. A search-party goes **to find a new spot.**
8. Bees move out in swarms to **establish new colony.**

III. Answer the following questions :

1. The nectar collected by bee is taken to the hive and changed into honey.
2. In a hive, there are two types of bees —one queen bee and numerous male bees called drones. These are worker bees and are builders and repairers, cleaners, honey collectors, feeders and nurses.
3. The queen bee gets the maximum importance in a hive because it is selected after a fierce fight.
4. The builders and repairers make wax. They knead and mould the wax and make cells in the hive.
5. The food made with pollen and honey is 'bee bread'. It is used to feed the larvae.
6. Bees dance to tell the swarm where the new spot for making the hive is. Round dance is used by the bees to inform others that a food source is close by.
7. If the source of food is more than ninety metres away, the bees dances a wagtail dance. They begin to move in a kind of figure of eight. First they runs in a straight line, then a half circle to the left and come back to where it started. Then there is another straight run and a half circle to the right. The bees 'wag' their bodies and buzz their wings simultaneously.

8. A bee's weapon is its sting. In every beehive, there are some bees that perform the 'guard duty'. If one goes too close to a beehive, the guard bees make alert the whole hive. They start spreading a smell that make them aggressive and attack the enemy.
9. Bees can also taste like human beings. Their taste organs are situated in their mouth, antennae and forelegs. They can taste sweet, sour, salty and bitter things. Bees do not have a good eyesight and they cannot recognise one shape from another. They often depend on their sense of smell while visiting different flowers.
10. The queen bee can lay upto three thousands eggs a day *i.e.*, ten eggs every five minutes. The builders and repairers make wax and some bees have the duty to clean the cells to receive new eggs. The nurses and feeders feed the larvae. The larvae is visited by the nurse bees about thirteen hundred times a day. Each bee has to perform all these duties during its lifetime.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

knead, bitter, insect, humble, aggresive, mould, numerous, cluster, particular.

V. Match the words with their meanings :

nectar	**sweet substance produced by flowers**
cluster	**crowd (so many people or things close together)**
drones	**male bees**
knead	**mix together as paste or dough**
interpret	**explain, make clear**
simultaneously	**occurring at the same time**
barb	**backward facing projection**
wag	**to move or shake**
aggressive	**being forceful**
sting	**sharp organ of an insect to prick**

Keep in Mind!

VI. Write 100 words about a beehive :

A beehive is natural habitation for bees. It is a shelter for a colony of bees where they make and store honey and also feed their young. There are different types of bees doing different works for beehive. Queen bee function is to lay eggs. She can lay thousands of egg a day. Drone is a male honey bee. He is larger than worker and smaller a queen. He do not collect nectar and also not make bees wax. Worker bees make wax. They collect all the nectar. They feed the younger bees. Honey bees make honey from nectar found inside the flowers.

17. Country Life or Town Life

हिन्दी अनुवाद

(एक शनिवार की शाम को छः बजे किरण और आलिया शिवम के घर आए।)

किरण : कैसे हो शिवम?, कैसी हो रीना? हम यहाँ पर दोपहर को साढ़े चार बजे आए थे, पर तुम यहाँ नहीं थे। तुम यहाँ कब से हो?

शिवम : मैं पाँच बजे से यहीं हूँ और रीना भी साढ़े चार बजे से यहीं है।

किरण : अरे! और शिवम, पिछले एक घण्टे से तुम क्या कर रहे हो?

शिवम : मैं कुछ नहीं कर रहा। मैं यहाँ बैठा था और सोच रहा हूँ।

किरण : तुम किस बारे में सोच रहे हो?

शिवम : मैं गर्मियों की छुट्टी के बारे में सोच रहा हूँ।

किरण : अच्छा ये बात है। और रीना पिछले आधे घण्टे से क्या कर रही है?

शिवम : वह पढ़ रही थी। देखो, वह अब भी पढ़ रही है। वह हमारी बात नहीं सुन रही है।

रीना : हाँ, मैं सुन रही हूँ। मैं सब कुछ सुन रही हूँ। अब मैं तुमसे एक प्रश्न पूछूँगी। कल तुम और आलिया क्या कर रहे होंगे?

किरण : मुझे नहीं पता। लेकिन कल तुम क्या कर रही होगी?

रीना : शिवम और मैं, अपने दादा जी के गाँव में होंगे। कल इस समय हम गाँव के अपने मित्रों के साथ बैठे होंगे और खेल रहे होंगे।

किरण : तुम गाँव में कितने समय तक रहोगे?

रीना : हम वहाँ पर मंगलवार की सुबह तक रहेंगे। सोमवार को अवकाश है।

आलिया : क्या तुम पिछले महीने गाँव गई थी?

रीना : नहीं, हम नहीं गए। हम वहाँ जनवरी से नहीं गए। क्या तुम कल हमारे साथ चलोगी?

आलिया : क्या हम गाँव चलें? हमारा वहाँ अच्छा समय व्यतीत होगा।

किरण : ठीक है। हम तुम्हारे साथ चलेंगे। धन्यवाद रीना।

अगले दिन वे सभी गाँव के लिए रवाना हुए। वे मंगलवार की सुबह वापस आए। शाम को वे फिर मिले तथा शहरी और ग्रामीण जीवन की बातें की।

शिवम : अच्छा, किरण। क्या तुम्हें गाँव अच्छा लगा।

किरण : हाँ, अच्छा लगा। लेकिन लोगों का जीवन वहाँ आसान नहीं है।

शिवम : नहीं, गाँव में जीवन आसान नहीं है। वहाँ बहुत कार्य हैं। लोग सुबह जल्दी उठ जाते हैं और रोज कई घण्टों तक कार्य करते हैं। कभी-कभी उन्हें अपने खेतों के लिए दूर तक पैदल चलना पड़ता है और शाम को देर से घर आना होता है। किन्तु यह स्वस्थ जीवन है और यह उन्हें अच्छा लगता है। मुझे भी गाँव का जीवन अच्छा लगता है।

किरण : हाँ, गाँव के जीवन में कुछ अच्छी बाते हैं, मैं मानती हूँ; किन्तु मुझे शहरी जीवन अच्छा लगता है। शहर में अच्छी सड़कें सभी प्रकार की दुकानें,

सिनेमा, बगीचे और अन्य कई चीजें होती है। तुम्हें ये सब गाँव में नहीं मिलेगा।

शिवम : दादा जी के गाँव में सिनेमाघर नहीं है। लेकिन अब कुछ गाँवों में सिनेमाघर भी हैं। गाँवों की सड़कें शहर के समान अच्छी नहीं हैं। किन्तु वे कम शोर-शराबे वाली हैं। तुम शहर में स्कूटर, मोटरसाइकिल, कार और ट्रकों की कर्कश हॉर्न की आवज सुनोगे। वायु बदबूदार और धुएँ से भरी होती है। यह स्वास्थ्य के लिए ठीक नहीं है।

रीना : यह सच है। लेकिन यहाँ सुन्दर पार्क हैं और शाम को हम वहाँ जाते हैं।

शिवम : तुम्हें पार्क जाना पड़ता है। गाँववासियों को इसकी आवश्यकता नहीं होती। वहाँ काफी खुला स्थान और स्वच्छ वायु होती है। हरियाली उनके चारों ओर फैली होती है।

रीना : लेकिन गाँव में अधिक दुकानें नहीं होती। ये सच्चाई है।

आलिया : हाँ, लेकिन उनका सभी भोजन उन्हें गाँव में मिल जाता है और वे अन्य वस्तुओं के लिए हफ्ते में एक बार या महीने में एक बार शहर चले जाते हैं। गाँव में जीवन शान्त और सुखद होता है। तुम्हें वहाँ हमेशा बहुत अच्छी और ताजी सब्जियाँ, दूध और अण्डे मिल जाएँगे।

रीना : तुम सही कहती हो, आलिया। लेकिन कई बार वहाँ जल की परेशानी हो जाती है। कई बार कुएँ सूख जाते हैं और लोगों या उनके जानवरों के लिए जल नहीं होता। काफी संख्या में गाँववासी अभी भी अशिक्षित हैं। वे अपने स्वास्थ्य के बारे में बहुत कम जानते हैं।

आलिया : हाँ, लेकिन भविष्य में जल की कोई समस्या नहीं होगी। गाँव में अब कई नलकूप हैं। गाँव में अब बिजली भी आ रही है पिछले कुछ वर्षों से सरकार और लोग गाँव में बहुत कार्य कर रहे हैं और काफी चीजें बदल रही है।

किरण : शिवम, क्या गाँव का जीवन तुम्हें शहर के जीवन से अच्छा लगता है?

शिवम : मुझे नहीं पता। मुझे दोनों ही अच्छे लगते हैं। प्रत्येक के अपने अच्छे और बुरे पहलू हैं। लेकिन तुम्हारे पिताजी आ गए, नमस्ते अंकल।

पिताजी : कैसे हो शिवम? कैसी हो आलिया? तुम आज शाम क्या कर रहे हो?

शिवम : हम ग्रामीण और शहरी जीवन के बारे में चर्चा कर रहे हैं।

पिताजी : यह एक कठिन प्रश्न है। लेकिन मैं तुम्हें एक बात बता सकता हूँ। किसान महत्त्वपूर्ण लोग हैं। वे शहर के लोगों के लिए अन्न उगाते हैं। हमें अपनी सभी सब्जियाँ तथा गेहूँ और फल गाँव से मिलते हैं।

शिवम : फिर वे गरीब क्यों हैं?

पिताजी : इसके कई कारण हैं। गाँववासी अधिकतर अशिक्षित होते हैं। उनमें से बहुतों के बड़े परिवार सीमित कृषि उत्पाद पर निर्भर होते हैं।

शिवम : अंकल, वे अपने खेती के तरीके को सुधार सकते हैं।

पिताजी : अवश्य, इससे सहायता मिलेगी। सुनो, मेरे पास एक विचार है; तुम्हारे अगले अवकाश पर हम सभी कृषि विद्यालय चलेंगे और मैं तुम्हे दिखाऊँगा उन्होंने किस प्रकार उत्पाद को बढ़ाया है।

शिवम : हाँ, हम चलेंगे। धन्यवाद।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (b), **3.** (c).

Language Skill Practice

II. Select nouns from the lesson and match them with adjectives given below :

fresh **air**	village **life**	town **life**	difficult **question**
dry **wells**	wet **season**	healthy **life**	quiet and peaceful **life**

III. Tick (✓) the meaning that suits the words used in your lesson :

1. 'agree' means : fit		cget on	accept ✓
2. 'problem' means : exercise		puzzle	question ✓
3. 'grow' means : cultivate ✓		become	increase

IV. Match the word under 'A' with their meaning given under 'B' :

A	B
not educated	**illiterate**
to provide help	**support**
restricted	**limited**
to become better than before	**improve**
quiet and calm	**peaceful**

Keep in Mind!

V. Fill in the blanks with the given words and rewrite the following paragraph :

Life is **difficult** in villages. There is **a lot of** work there. The people **get up** early and work **many** hours everyday. Sometimes, they walk **a long way** to their fields and come home **late** in the evening. But it is a **healthy** life and they like it.

The roads in villages are not as **good** as town **roads.** They are **dusty** in the **dry** months and **muddy** in the **wet** season. The **country** is all around them.

VI. Write three or four sentences about the advantages of town life. Then write three or four sentences about the advantages of life in a village.

Advantages of Town Life

1. The roads are good and there are many shops.

2. There are cinema houses and beautiful parks.

3. There is no problem of water and electricity.

4. The people are literate and there are many schools and colleges.

Advantages of Village Life

1. There are lot of open space and fresh air.
2. There are less noise of vehicles on roads.
3. The people get good and fresh vegetables, milk and eggs.
4. Life in the village is quite, peaceful and healthy.

18. The Sleeping Beauty

हिन्दी अनुवाद

एक समय की बात है, ईरान में एक राजा रहता था। उसकी पत्नी, महारानी ने एक कन्या को जन्म दिया। राजा और रानी बहुत खुश थे। उन्होंने राजकुमारी के नामकरण संस्कार के उपलक्ष्य में एक शाही भोज देने का निश्चय किया। राजमहल के सभी महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों को विशाल भोज में आमन्त्रित किया गया। महारानी के निवेदन पर सात अच्छी परियों को भी आमन्त्रित किया गया।

सभी अतिथि महल में एकत्रित्र हुए। उन्होंने राजकुमारी को कीमती उपहार दिए। सातों परियों ने छोटी सुन्दर राजकुमारी को आशीर्वाद दिया और प्रत्येक ने राजकुमारी को एक सद्गुण प्रदान किया।

उनमें से एक ने कहा, "यह संसार में सबसे सुन्दर कन्या होगी।" "यह लार्क की तरह गाएगी," दूसरी ने कहा। "इसका चित्त देवदूत का होगा।" तीसरी ने बच्ची को आशीर्वाद दिया। चौथी ने कहा, "वह सर्वश्रेष्ठ नृत्यांगना होगी" पाँचवीं ने भविष्यवाणी की कि वह सर्वश्रेष्ठ संगीतकार बनेगी। छठी ने कहा, "वह शोभायुक्त होगी" जब सातवीं परी आशीर्वाद देने वाली थी, अचानक एक कुरुप बूढ़ी परी महल में आई। वह क्रोधित थी क्योंकि उसे आमन्त्रित नहीं किया गया था। वह गुस्से में चिल्लाई, "मैं राज्य में सबसे बूढ़ी परी हूँ, फिर भी मुझे आमन्त्रित नहीं किया गया।" राजा और रानी ने उससे मिलकर क्षमा माँगी और बच्ची को आशीर्वाद देने की प्रार्थना की।

उसने कहा, "नहीं, मैं यहाँ नहीं रुकूँगी। लेकिन बच्ची को आशीर्वाद देने के स्थान पर, मैं उसे श्राप दूँगी। जब भी उसकी उँगली पर सुई चुभेगी, वह मर जाएगी।" इस शाप को सुनकर सभी को आघात लगा। राजा और रानी ने उससे श्राप वापस लेने की विनती की। परी ने कहा, "हे राजन! मैं शाप को पूर्ण रूप से वापस नहीं ले सकती लेकिन मैं इसका प्रभाव कम कर सकती हूँ। राजकुमारी मरेगी नहीं, वह गहरी नींद में सो जाएगी। केवल एक राजकुमार ही उसे जगा पाएगा।"

तुरन्त ही राजा ने सूत कातने का चरखा और तकुए का प्रयोग बंद करने की आज्ञा दी। कई वर्ष बीत गए और राजकुमारी एक सुन्दर जवान कन्या के रूप में बड़ी हुई। एक दिन राजा और रानी जवान राजकुमारी को अपने एक गर्मी के महल पर ले गए। राजकुमारी बहुत उत्साहित थी। वह बड़े किले में जाकर इधर-उधर गई फिर वे छोटे कमरे में गई।

कितनी आश्चर्य की बात थी! वहाँ उसने एक बूढ़ी महिला को तकुए से सिलते और चरखा चलाते देखा।

"भली महिला, तुम क्या कर रही हो?" राजकुमारी ने पूछा।

"क्यों? मैं कपड़े सिल रही हूँ," बूढ़ी महिला ने कहा। उसे राजा के आदेश के बारे में कुछ नहीं पता था।

"अरे, यह बहुत बढ़िया है! मैंने ये पहले कभी नहीं देखा। जरा देखूँ क्या मैं सिल सकती हूँ," राजकुमारी ने प्रार्थना की।

जैसे ही राजकुमारी ने तकुए को छुआ, वह बेहोश हो गई। जब राजा और रानी ने यह देखा, वे बहुत दुःखी हुए।

समय बीता। किले के चारों ओर घने जंगल उग आए। एक दिन निकटवर्ती राज्य का राजकुमार उस कटीले जंगल से जा रहा था, उसने किले की मीनार देखी। उसने पास ही कार्य करते लकड़हारे से किले के बारे में पूछा।

"निश्चित ही कोई नहीं जानता," लकड़हारे ने कहा। "किन्तु लोग कहते हैं कि कई वर्षों से यहाँ एक सुन्दर राजकुमारी सोई हुई है।"

नवयुवक राजकुमार सोती राजकुमारी को देखने के लिए उत्सुक हो गया। वह महल में गया। उसकी सुन्दरता देखकर वह मन्त्रमुग्ध हो गया। वह उसके पास गया और उसके हाथ को चूमा। जैसे-ही राजकुमार ने उसे छुआ, वह जाग उठी। शीघ्र ही उनका विवाह हो गया और कई वर्षों तक वे आनन्दपूर्वक रहे।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (a), **3.** (c).

II. Answer the following questions :

1. The seven good fairies were invited on the occasion of naming ceremony of the princess to bless and grant a virtue to her.

2. The old fairy was not invited to the banquet.

3. The old fairy curse her that whenever she pricks her finger on a needle she will die. She cursed her because she was not invited to the grand banquet.

4. One day, the king and queen took the young princess to one of their summer palaces. There princess saw an old lady sewing clothes. She also wanted to sew the cloth, as soon as she touched the spindle, she became unconscious.

5. The prince of neighbouring kingdom woke her up. The prince entered the place to see the sleeping princess. He was fascinated by her beauty. Coming close to her he kissed her hand. As soon as the prince touched her, she woke up.

III. Who said these words?

1. The old fairy said these words.

2. The third fairy said these words.

3. First one of the seven fairies said these words.

4. The fourth fairy said these words.

5. The woodcutter said these words.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

thorny, surprise, apologise, listen, invitation, precious, banquet, ceremony.

V. Match the words with their meanings :

banquet	**a grand party (feast)**
predict	**to tell about future**
apologise	**to beg to be excused**
precious	**very valuable**
curious	**eager**
fascinated	**charmed (enchanted)**
thick	**dense**
entered	**went inside**

Keep in Mind!

VI. Fill in the blanks with the words given in the box :

1. apologise, **2.** fascinated, **3.** banquet, business, **4.** cursed, blessed, **5.** satellites, predicting.

19. The Ganga : Symbol of India's Culture

–Muriel Wasi

हिन्दी अनुवाद

हजारों वर्ष पहले, हिमालय पर्वत पर बहुत दूर, महान् भगवान शिव सोए थे। और जैसे ही वह सोये, हवा चलने लगी और बर्फ गिरने लगी तथा बर्फ उनके सिर और मुँह पर जमने लगी। लेकिन वे थके हुए थे और वे सोते रहे जबकि सूर्य तेजी से नीचे चमकता रहा व मैदानों और हिन्दुस्तान की घाटियों में तथा पेड़ और घास जलाता रहा, क्योंकि उस समय वहाँ जमीन की सिंचाई के लिए कोई नदी नहीं थी। लोग अपने दु:ख से पानी के लिए चिल्लाते रहे, लेकिन भगवान बिना हिले सोये रहे।

वहाँ पर्वतों पर महान् राजा हिमवत् अपनी खूबसूरत पत्नी मैना और उनकी सुन्दर बेटी गंगा के साथ रहते थे। एक दिन गंगा अपने पिता के राज्य मे घूमती हुई, एक बर्फ की गुफा के पास आई, जो कि उसने पहले कभी नहीं देखी थी। बर्फ की लम्बी पतली सुइयाँ चमकदार दीवारों से लटकी हुई थीं। बर्फ के खम्भों पर छत रुकी हुई थी। जैसे ही गंगा ने घूरकर उसे देखा, सूर्य की रोशनी की किरणें गुफा में उसके निकट चमकीं और उसने आनन्दपूर्वक उसके इन्द्रधनुषी रंगों को देखा। "यह गुफा," उसने स्वयं से कहा, 'मेरा राज्य है, और मैं यहाँ रहूँगी।'

कई दिन तक राजा हिमवत् और रानी मैना ने अपनी बेटी को ढूँढ़ा लेकिन वे उसे ढूँढ नहीं पाये। अन्त में वे बर्फ की गुफा के पास आए और उसे प्रसन्नतापूर्वक अपनी इन्द्रधनुषी खोली में बैठे हुए देखा। उन्होंने उसे क्षमा कर दिया और उसके साथ रुकने का निश्चय किया। तीनों ने गुफा में अपना घर बना लिया।

समय-समय पर राजा हिमवत् भारत के मैदानों में नीचे जाते थे और वह प्रत्येक बार दु:खी मन के साथ वापस लौटे।

"तुम क्यों दु:खी हो?" मैना ने पूछा और गंगा अपने पिता के घुटनों पर चढ़ी और बोली, "क्या बात है, पिताजी? आप अप्रसन्न क्यों हो?"

राजा ने कहा, "भूमि पानी की कमी से कष्ट उठाती है, फसलें सूखती हैं; पशु मरते हैं; पुरुष और स्त्रियाँ प्यासे हैं और अपने बच्चों के लिए पानी को तरसते हैं। और शिव सोते हैं ऐसा प्रतीत होता है कि उन्हें उनकी चिन्ता नहीं है।"

"क्या कोई भी इस बारे में कुछ नहीं कर सकता है?" गंगा ने पूछा। राजा ने अपनी भारी आँखें उठायीं और अपनी बच्ची की तरफ देखा।

"हाँ, गंगा," उन्होंने उत्तर दिया। "यदि एक लड़की, बर्फ की तरह शुद्ध और बर्फ की तरह श्वेत नीचे चली जाए और बहुत गर्म मैदानों में रहे, उसकी जिन्दगी जिसे उसने खुशी-खुशी दूसरों के लिए समर्पित कर दी, मरते हुए लोगों के लिए जीवनदायी होगी और उसका नाम हिन्दुस्तान में सभी के लिए प्यारा और स्मरणीय होगा।"

गंगा जानती थी कि उसके पिता उसे घुमा-फिराकर एक बड़े त्याग के लिए कह रहे थे, लेकिन वह तब तक छोटी कन्या थी और वह अपनी बर्फ की गुफा की सुन्दरता से बहुत प्यार करती थी और इंसानों का हृदयस्पर्शी चिल्लाना उसके पास नहीं पहुँचता था। इसीलिए उसने कहा, "मैं नहीं जाना चाहती।" और मरते हुए लोग सहायता के लिए चिल्लाते रहे।

उसके पिता ने उसे जाने के लिए आज्ञा दी। उसकी माता ने उससे रोते हुए, मरे हुए और मरते हुओं के बारे में सोचने के लिए प्रार्थना की , लेकिन गंगा नहीं मानी।

तब एक दिन, हिमवत् अपनी भुजाओं में मरती हुई एक बच्ची के साथ आए। उसकी कोमल त्वचा फट चुकी थी: छोटे होंठ काले और सूखे थे; मुँह खुला था; आँखें स्थिर और नीरस थीं। हिमवत् ने गंगा की गोद में बच्ची को लिटा दिया।

"यह प्यास से मर रही है," उसने कहा।

गंगा के हाथ छोटे से मुँह पर गये और, जैसे उसने ऐसा किया, पानी की एक बूँद उसके बालों से सूखे होंठों पर गिरी। तुरन्त जीवन की लालिमा उस बच्ची में लौट आई। बच्ची ने पानी की आवाज के आनन्द से अपनी आँखें खोलीं। गंगा अपने पैरों पर खड़ी हो गई।

"पिताजी," वह चिल्लाई, "यदि मैं बच्चों को बचा सकती हूँ, तो मैं जाऊँगी।"

और जैसे ही वह बोली, वह बर्फ की गुफा के मुँह में दौड़ी जहाँ वह शुद्ध आनन्द के साथ रह चुकी थी और वहाँ आश्चर्यजनक घटना हुई। खूबसूरत छोटी लड़की सुनहरे चमकदार बालों और सफेद हाथों के साथ गायब हो गयी तथा उसके स्थान पर शुद्ध मृदुल पानी की धारा धब्बेदार झागों के साथ सुनहरे चमकदार रेगिस्तान पर नाचने लगीं और पानी जैसे-ही बहा, धीरे से बोला, "मैं गंगा हूँ, गंगा और मैं जाती हूँ प्यासे मैदानों में आनन्द देने के लिए और मरते हुए बच्चों के लिए पानी ले जाने के लिए।"

और जहाँ कहीं गंगा मुड़ी, फूल उसके स्वागत के लिए खिलने लगे, पानी को चूमने के लिए बड़े पेड़ों की शाखाएँ नीचे झुकने लगीं; शक्तिहीन पशु बलवान होने लगे, बच्चे गंगा के किनारों पर खेलने लगे; बलवान पुरुष उसकी तेजी से बहती हुई धारा में नहाने लगे और स्त्रियाँ स्वयं उसके तालाबों में नहाने लगीं। गंगा कन्या से बन चुकी थी गंगा माँ, प्रसन्नता और जीवन की नदी।

और इसी कारण गंगा नदी, हिन्दुस्तान की जिन्दगी का प्रतीक है और जीवन की नदी गंगा है। और यही कारण है, मनुष्य सोचते हैं कि गंगा, जैसे वह धीरे-से बोलती हुई बहती है, दूसरों के लिए अपने आपको न्योछावर कर देना कर्त्तव्य है; चारों तरफ दूसरों के लिए खुशी फैलाना आनन्ददायक है।" और यही कारण है कि हिन्दू, पवित्र नदी से दूर मरते समय प्रार्थना करता है कि उसकी अस्थियाँ गंगा के शान्त जल में बहा दी जाएँ, जिससे मरने के बाद, वह जिन्दगी के मूल स्रोत को वापस लौट सके।

हमारे प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहरलाल नेहरू भी गंगा को बहुत प्यार करते थे। उनकी इच्छा थी कि मृत्यु के बाद उनकी अस्थियों का थोड़ा अंश गंगा में बहा दिया जाए। वह अपने बचपन में इलाहाबाद में गंगा-यमुना नदियों से प्यार करते थे। उन्होंने कहा, "गंगा, मुख्यत: भारत की नदी है और अपने लोगों की प्रिय। वह भारत की युगों की संस्कृति और सभ्यता का प्रतीक है, सदैव बदलती हुई, सदैव बहती हुई और फिर भी गंगा एक-जैसी है।" पं० जवाहरलाल नेहरू के लिए गंगा भारत के अतीत का चिह्न एवं स्मृति रही है।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (a), **5.** (a).

II. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. F, **2.** T, **3.** T, **4.** F, **5.** F.

III. Who said the following :

1. Himavat, **2.** Ganga, **3.** The Ganga, the stream of pure soft water, **4.** Nehru, **5.** Himavat.

IV. Fill in the blanks with the given words :

And wherever Ganga *turned*, flowers, *blossomed* to welcome her; huge trees *bowed* down their branches *to kiss* her waters; *fainting* cattle grew strong, children *played upon* her banks; strong men *bathed* in her fast moving stream and women washed themselves in her pools. Ganga, the Maid, had *become* Ganga, the Mother, the river of life and joy.

V. Answer the following questions :

1. The grass and trees of the plains and valleys of Hindustan were scorched because there were no river to water the land.

2. The people of Hindustan cried out in their misery for water but the God Shiva slept unmoved.

3. There was no effect of people's cries on God Shiva who continued to sleep.

4. The cave has been described as 'rainbow shell' because when sunlight flashed it became filled with rainbow colours.

5. Himavat was a great king. Whenever he returned from the plains of India, he was very unhappy when he saw crops and cattle dying of thirst and men and women crying for water.

6. Ganga did not agree to go to the plains because she was a little girl and she was in love with the beauty of her ice-cave.

7. King Himavat came in with baby, dying in his arms, its soft skin had cracked, the little lips were black and dry, the mouth was open, the eyes were fixed and dull.
8. When the Ganga flowed through the plains of Hindustan, flowers blossomed, huge trees bowed down their branches; fainting cattle grew strong, children, men and women played and bathed.
9. About duty and joy, Ganga said, "To give oneself for others is duty, to spread happiness around one for others is joy."
10. Every Hindu wants his ashes to be thrown into the sacred Ganga, so that after dying, he may return to the source of life.

Language Skill Practice

VI. Complete the spellings :

wonderful, **Ganga**, **blossom**, **misery**, **civilization**, **rainbow**.

VII. Match the words with their opposites :

energetic	**tired**
laughing	**weeping**
joy	**misery**
disagree	**agree**
dull	**bright**

VIII. Do it Yourself.

IX. Study these set of words. Pick out the ones that does not belong to a set. Say why they don't belong :

1. competition—All except competition are the rewards of winning the competition.
2. leaner—Learner is the person who learns while the others teach.
3. triumph—We have tournament, competition or championship to get success or triumph.
4. sports—All others except sports are the quality of a person.
5. defeat—All others except defeat are positive achievements.
6. running—In running, we need to change our position from one place to other while in other we stand at a particular place.

20. The Sluggard

हिन्दी अनुवाद

यह है वाणी एक आलसी व्यक्ति की; मैंने उसे सुना करते हुए शिकायत,
'तुमने जगा दिया है मुझे बहुत ही जल्दी, मैं फिर झपकी लूँगा,'
जैसे द्वार अपनी चूल पर घूमता है, वैसे ही वह अपने बिस्तर पर,
अपनी करवटों को और अपने कन्धों को और अपने भारी सिर को घुमाता है।
'थोड़ी नींद और, और थोड़ी-सी झपकी',

इस प्रकार वह गँवा देता है अपने आधे दिन और असंख्य घण्टे,
और जब वह उठता है, वह बैठ जाता है अपने हाथों को मोड़कर,
अथवा इधर-उधर व्यर्थ घूमता है या वह निरर्थक खड़ा रहता है।
मैं उसके बगीचे के पास से गुजरा, और देखी जंगली झाड़ियाँ,
काँटे और गोखरू उगे हुए अधिक विस्तार से और अधिक ऊँचे;
कपड़े जो उसने लटका रखे हैं, हो रहे हैं चीथड़े
और उसका धन सर्वदा नष्ट होता है, फलत: वह भूखों मरता है या भीख माँगता है।
मैं गया उससे मिलने, फिर भी आशा करते हुए कि पाऊँगा
उसने अधिक सावधानी बरती होगी अपने दिमाग को सुधारने हेतु,
उसने मुझे सुनाई अपनी कल्पनाएँ, बातें कीं खाने की और पीने की,
परन्तु वह दुर्लभ ही पढ़ता है अपनी बाइबिल, और कभी नहीं चाहता सोचना।
कहा तब मैंने अपने दिल से, "यहाँ है एक शिक्षा मेरे लिए,
वह व्यक्ति है केवल एक तस्वीर उसकी, जैसा मैं भी हो जाता;
परन्तु धन्यवाद है अपने मित्रों को मेरे पालन में उनकी सावधानी के लिए,
जिन्होंने प्रारम्भ से मुझे सिखाया कार्य एवं पठन से प्यार करना।"

—*आइज़ैक वॉट्स*

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (c), **3.** (c).

II. Answer the following questions :

1. The sluggard complains that he has been awaken too soon.

2. On his bed, the sluggard passes his time by turning on his sides and his shoulders and his heavy head.

3. The sluggard wants a little more sleep and a little more slumber before leaving the bed.

4. He remains lazy after leaving the bed and passes his time in sauntering and standing aimlessly.

5. The poet learnt from the sluggard that he might have been the same if his friends had not taken care in his breeding.

Language Skill Practice

III. Give one word for each of the following :

1. Bible, **2.** sluggard, **3.** breeding, **4.** dream, **5.** garden.

IV. Correct the spellings :

lubsmre	**slumber**	rabir	**briar**	revssat	**starves**
nohtr	**thorn**	rmedas	**dreams**	doflign	**folding**

Keep in Mind!

VI. Riddles of Sound :

1. Dwarf, **2.** Guest, **3.** Cloud, **4.** Calves, **5.** Mango.

21. Travels of Sindbad

हिन्दी अनुवाद

सिंदबाद एक अमीर व्यापारी था। वह बगदाद में रहता था। वह अपना सामान बेचते हुए काफी अधिक घूमता था। उसने समुद्रों में कई बार यात्रा की और एक महान् नाविक बन गया।

एक बार सिंदबाद अपनी समुद्री यात्रा पर गया। वह अपने साथ ऐसी कई वस्तुएँ ले गया जो उसे यात्रा के मध्य बेचनी थीं। उसे काफी अधिक मात्रा में सोना और हीरा प्राप्त कर वापस लौटने की आशा थी।

वह सबसे पास वाले बन्दरगाह पर गया और सबसे अच्छे जहाज पर चढ़ा। वह एक देश से दूसरे देश गया, प्रत्येक बन्दरगाह पर रुका और अपनी वस्तुएँ बेचीं। एक दिन ऐसा हुआ कि जहाज किसी चट्टान से टकरा गया वह टुकड़ों में टूट गया और डूब गया।

सिंदबाद ने सभी उम्मीदें छोड़ दीं और जब वह अपनी अन्तिम प्रार्थना कर रहा था, उसे अपने पास तैरता हुआ लकड़ी का टुकड़ा मिला। वह पूरे दिन उसे पकड़े रहा और अगली सुबह की दोपहर से पहले द्वीप की तटरेखा दिखाई दी; तथापि वह मरणासन्न स्थिति में था किन्तु जीवित था और तट पर पहुँच गया। उसके कुछ साथी भी तट पर पहुँच गए। जब वह समुद्री तट पर खोज कर रहे थे, उन्हें अचानक जंगली लोगों ने घेर लिया। जंगली लोगों ने उन सभी को रस्सी से बाँध दिया और उन्हें राजा के पास ले गए। राजा ने उन्हें बैठने का इशारा किया। फिर जंगली लोगों ने उन्हें कुछ भोजन दिया। जो भोजन उन्हें परोसा गया वह बहुत विचित्र था। उन्होंने ऐसा भोजन कभी नहीं खाया था। अत: सिंदबाद को शंका हुई और उसने अपने मित्रों को न खाने का इशारा किया। लेकिन उन्होंने इसकी परवाह नहीं की। वे भूखे भेड़िए की तरह खाने लगे। जैसे-ही उन्होंने खाया, वे बुद्धिहीन हो गए और अपना होश खो दिया।

सिंदबाद को एहसास हुआ कि ये जंगली लोग नरभक्षी हैं। जब यह विचार उसके दिमाग में आया कि उसके साथियों को मारने के लिए पशुओं की तरह खिलाया जा रहा है, वह भय से भर गया। उसने उनके द्वारा दिया गया कोई भी भोजन नहीं छुआ, जिससे वह भूखे चूहे की तरह पतला लग रहा था, उन्होंने उसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। अत: एक दिन जब उसके मित्रों को खिलाया जा रहा था, वह वहाँ से निकल गया और एक सड़क पर आ गया जो द्वीप के दूसरी ओर जा रही थी।

इस स्थान के लोग जंगली लोगों की तरह नहीं दिखते थे। जैसे-ही उन्होंने उसको देखा, वे उसकी ओर दौड़े और पूछा, "तुम कौन हो और कहाँ से आए हो?"

सिंदबाद ने सभी साहसिक कार्यों के बारे में उन्हें बताया। वे यह बात जानकर अचम्भित थे कि वह जंगली लोगों से कैसे बच निकला, क्योंकि उनसे कोई नहीं बचता था। उन्होंने उसको खाने के लिए अच्छा भोजन दिया। उस द्वीप का राजा उससे बहुत खुश हुआ और उसे उस द्वीप में महल के समीप रहने की अनुमति दी। सिंदबाद को खाने के लिए अच्छा भोजन मिल रहा था, किन्तु वह इन विचित्र लोगों के बीच अकेलापन महसूस कर रहा था। वह उनसे बात नहीं कर सकता था क्योंकि वह उनकी भाषा नहीं समझता था।

प्रत्येक सुबह वह समुद्र के किनारे आकर वहाँ से जहाज के गुजरने की प्रतीक्षा कर रहा था। एक सुबह उसने जहाज समुद्र के किनारे पास आते देखा। वह बहुत उत्साहित हुआ। उसने कपड़े का टुकड़ा लिया, एक लम्बी डंडी पर बाँधकर हिला दिया। नाविकों ने उसे देख लिया

और नाव लेकर एक व्यक्ति को उसे जहाज पर लाने के लिए भेजा। वह बगदाद में वापस आ गया, जिसे उसने तीन वर्ष पूर्व छोड़ा था।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (c), **3.** (a), **4.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. wolves, **2.** merchant, Baghdad, **3.** country, harbour, **4.** excited, **5.** suspicious.

III. Answer the following questions :

1. He used to travel a great deal to sell his goods.

2. One day the ship struck against some rocks and broke into pieces and sank.

3. He found a piece of wood floating near him. He held on to it for a whole day and before noon the next day he could see the coastline of an island.

4. He realised that savages were man-eaters because after eating the food served by the savages, his friends lost their senses.

5. He did not like to stay in other island because he felt very lonely among strange people. He could not talk to them as he didn't understand their language.

Language Skill Practice

IV. Correct the spellings :

sehro	**shore**	ungrhy	**hungry**	pceie	**piece**
mrechcnta	**merchant**	srtngae	**strange**	ahborur	**harbour**

V. Match the related words :

a great deal	**too much**
set out	**started**
got on	**boarded**
harbour	**a place where ships stay**
held on	**took support**
shore	**coast**
idiot	**senseless**
bother	**care**

Keep in Mind!

VI. Fill in the blanks with the words or phrases given in the box below :

1. island, **2.** board, **3.** set out, voyage, **4.** hit, sank, **5.** held on.

22. The Shoes of Mullah Nasiruddin

हिन्दी अनुवाद

मुल्ला नसीरुद्दीन निर्दोष शब्दों के लिए जाना जाता था जो कभी-कभी हास्यास्पद स्थितियाँ उत्पन्न करता था, जिन पर हँसी आती थी। कभी-कभी इनसे लज्जित भी होना पड़ता था।५

एक दिन मुल्ला का एक मित्र तारिक शादी करने जा रहा था। तारिक एक गरीब व्यक्ति था। उस महत्त्वपूर्ण दिन के लिए सभी तैयारियाँ कर ली गईं थीं लेकिन तारिक की एक समस्या थी। उसके पास केवल एक जोड़ी जूते थे। उसके पास नए जोड़ी खरीदने के लिए पैसे भी नहीं थे।

उसने मुल्ला नसीरुद्दीन से दयनीय स्वर में कहा, "मेरे जूते देखो। मैं दुल्हन के पास इन्हें पहनकर कैसे जाऊँगा? हे भगवान! अब मैं क्या करूँ?"

मुल्ला नसीरुद्दीन काफी उदार और दयालु हृदय वाला व्यक्ति था। वह किसी को भी परेशानी में नहीं देख सकता था। उसने तुरन्त कहा, "परेशानी की कोई बात नहीं है। मेरे पास एक जोड़ी नए जूते हैं। तुम उन्हें पहन सकते हो। तुम्हारे और मेरे पैर की माप समान है।"

तारिक मुल्ला जैसा मित्र पाकर खुश था। उसने मुल्ला द्वारा दिए गए सुन्दर जूते पहने और दुल्हन को लेने चला। बारात को कुछ देर के लिए दुल्हन के गाँव के बाहर कुछ नाश्ते के लिए रोका गया। दुल्हन के कुछ मित्र और रिश्तेदार उसको बधाई देने आए। "दूल्हा कौन है?" उन्होंने उत्सुकता से पूछा। मुल्ला नसीरुद्दीन ने तारिक की ओर इशारा किया और बोला, "यह दूल्हा है। लेकिन जो जूते इसने पहने हैं वे मेरे हैं। ये सुन्दर है न?"

लड़कियों को हँसी छूट पड़ी। सभी को मजा आया, किन्तु तारिक को बहुत लज्जित होना पड़ा। तथापि मुल्ला को समझ नहीं आया कि क्या हुआ है।

जब सभी चले गए, तारिक ने मुल्ला से कहा, "तुम्हें लोगों को यह नहीं बताना था कि मैंने तुम्हारे जूते पहने हैं। इसने मुझे बड़ी अजीब स्थिति में डाल दिया।"

मुल्ला नसीरुद्दीन को यह अहसास हुआ कि उसने अपने मित्र का दिल दुखाया है पर वह समझ नहीं पाया कैसे? तथापि उसने ऐसी गलती दोबारा न करने का वादा किया।

बारात पुनः चल पड़ी कुछ देर बाद, किसी ने फिर पूछा कि दूल्हा कौन है? मुल्ला ने तुरन्त कहा, "यह दूल्हा है और जो जूते इसने पहने हैं वे भी इसी के हैं। ये सुन्दर है न?"

दोबारा वहाँ खड़े सभी व्यक्ति हँसने लगे। तारिक को फिर लज्जित होना पड़ा। जब सभी चले गए, वह नसीरुद्दीन पर चिल्लाया, "जूतों को बताने की जरूरत ही क्या थी? तुम्हें उनके बारे में चुप रहना चाहिए।"

बेचारा मुल्ला सोच रहा था कि लोगों को यह बताने पर कि तारिक ने अपने जूते पहने हैं उसे खुशी होगी। लेकिन तारिक इतना क्रोधित हुआ कि मुल्ला ने अगली बार बहुत सतर्क रहने का निश्चय किया।

जैसे-ही बारात दुल्हन के स्थान पर पहुँची उसने तारिक की ओर इशारा करते हुए भरी सभा में घोषणा की। "यह दूल्हा है, यह मेरा मित्र तारिक है। इसके पैरों को देखो, इसने कितने सुन्दर जूते पहने हैं। लेकिन मैं इनके बारे में एक शब्द नहीं कहूँगा।"

एक बार फिर जोर की हँसी फूट पड़ी।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (b), **3.** (a).

II. Write 'T' for true and 'F' for false statements :

1. T, **2.** F, **3.** T, **4.** T, **5.** F.

III. Answer the following questions :

1. Tariq's problem was that he had only one pair of shoes at the time of his marriage and also did not have money to buy a new pair.

2. Mullah Nasiruddin gave him his pair of brand new shoes as both had the same foot size.

3. Mullah told people that Tariq was wearing his own shoes because he thought that it would make him happy that he was wearing his own shoes.

4. Mullah told the gathering at the bride's place pointing to Tariq, "He is the groom, he is my friend Tariq. Just look at his feet, he is wearing a pair of lovely shoes. But I'm not going to say a word about them."

5. Mullah was a good man because his innocent words created funny situations and aroused laughter.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

announced, gathering, groom, embarrassment, problem, bride.

V. Match the words and phrases with their meanings :

a while later	**after sometime**
announced	**declared**
lovely	**beautiful**
embarrassed	**insulted**
resumed the march	**moved ahead**
funny	**awkward**
problem	**difficulty**
worn out	**old**

Keep in Mind!

VI. Make sentences using the following words :

lovely : Reena brought a **lovely** dress.

promised : Ajay **promised** Alia not to make fun of her.

bride : The **bride** looks very beautiful at her marriage.

problem : Neema have a **problem** that she has no dress to go in a party.

awkward : Sometime, funny words lead to **awkward** situations.

innocent : Vishu make fun of other people in an **innocent** way.

23. The Witty Birbal

हिन्दी अनुवाद

पात्र : बीरबल, अकबर, दरबारी लोग, ढोल बजाने वाला, दूत, धोबी, धोबी की पत्नी और एक बच्चा।

दृश्य-1

(सुबह। महल के छज्जे का पार्श्व दृश्य जहाँ से नदी दिखाई देती थी। अकबर और बीरबल छज्जे में आगे-पीछे घूम रहे थे।)

अकबर : बीरबल, मैंने सुना है इस नदी का पानी बहुत ठण्डा है। क्या ये सच है?

बीरबल : हाँ, महाराज।

अकबर : मुझे बताओ, यदि पूरी रात कोई व्यक्ति इस पानी में खड़ा रहे, क्या वह मर जाएगा?

बीरबल : निश्चित ही, महाराज। कोई साधारण व्यक्ति इस ठण्डे पानी में जीवित नहीं रह सकता।

अकबर : *(ठुड्डी पकड़कर सोचते हुए)* हँ.....अच्छा, यही एक अच्छा अवसर है मेरे राज्य में आम आदमी की शक्ति को परखने का। बीरबल सुनो .....

(सम्राट बीरबल के कानों में कुछ फुसफुसाते हैं बीरबल अचम्भित हो जाता है, फिर सिर हिलाता है।)

दृश्य-2

(दोपहर। कस्बे का व्यस्त हिस्सा। ढोल वाला जोर से ढोल बजाता है और लोग उसके चारों ओर एकत्रित हो जाते हैं।)

ढोलवाला : (जोर से) सुनो! सुनो! महान सम्राट अकबर का इनाम! कोई भी व्यक्ति जो एक रात के लिए महल के पास नदी में खड़ा रहेगा उसे बड़ा इनाम दिया जाएगा।

(पटरी पर खड़े होकर लोग उत्सुकता से बाते करने लगे—'असम्भव!' 'ऐसा कौन करेगा'?, 'क्या हम प्रयास करें?', 'बहुत जोखिम भरा है!' एक गरीब धोबी अपनी पत्नी से फुसफुसाता है ....)

धोबी : यह अच्छा मौका है। यदि मुझे यह इनाम मिल गया, हम खुशी से रह सकते हैं।

पत्नी : नहीं मुझे यह नहीं चाहिए। तुम मृत्यु तक जम जाओगे और मैं रोने के लिए अकेली रह जाऊँगी।

धोबी : चिन्त मत करो! मुझे कुछ नहीं होगा। मैं तो रोज ठण्डे पानी में कपड़े धोता हूँ।

दृश्य-3

(रात! कुछ प्रकाश नदी पर पड़ रहा है धोबी उसके बीच में खड़ा है। कुछ लोग आते हैं और उसे देखते हैं, अपने सिर हिलाते हैं और चले जाते हैं। कुछ लोग कहते हैं....)

एक आदमी : बेचारा आदमी। रात बीतने से पहले ही यह मर जाएगा।

दूसरा : बेवकूफी भरा कार्य है। चलो, उसके लिए प्रार्थना करते हैं।

दृश्य-4

(सुबह। धोबी जिन्दा और सही, नदी से बाहर आता है। लोग चिल्लाते हैं और खुशी से ताली पीटते हैं—भगवान का शुक्र है कि यह जिन्दा है। भाग्यशाली व्यक्ति जिसे इनाम मिलेगा।")

पत्नी : *(अपने पति को राहत के साथ बधाई देती है।)* अरे! मैं तुम्हारे लिए कितनी चिन्तित थी!

बच्चा : पिताजी तुम कितने बहादुर हो! क्या सम्राट अब तुम्हें इनाम देंगे?

धोबी : हाँ निश्चित ही! क्या मैं परीक्षा में सफल नहीं हुआ?

दृश्य-5

(अकबर के दरबार में। सम्राट अपने सिंहासन पर। बीरबल उनके नजदीक। दरबारी और सुरक्षाकर्मी महल में। धोबी और उसका परिवार अकबर के सामने सिर झुकाता है।)

अकबर : हम तुमसे बहुत खुश हैं, नौजवान। तुमने अपनी शक्ति सिद्ध कर दी है। आओ, अपना इनाम ग्रहण करो।

(एक व्यक्ति अकबर को सिक्कों से भरी चाँदी की तस्तरी दिखाता है। जैसे-ही अकबर वह धोबी को देने वाला था .....)

एक दरबारी : महाराज, यह व्यक्ति इनाम का हकदार नहीं है। क्योंकि पानी वास्तव में ठण्डा नहीं था। देखो आप के महल की रोशनियों ने उसे गर्म बनाए रखा!

अकबर : *(सोचते हुए)* हँ....तुम्हारी बात में दम है। और यदि ऐसा है तो इनाम का कोई प्रश्न नहीं उठता। *(धोबी दु:खी मन से अपने परिवार के साथ वापस चला जाता है। ईर्ष्यालु दरबारी चालाकी से मुस्कराए। बीरबल क्रोधित दिखाई पड़ते हैं।)*

दृश्य-6

(अगला दिन अकबर के दरबार में बीरबल का स्थान खाली है)

अकबर : यह पहली बार है कि मेरे मंत्री, बीरबल को दरबार में पहुँचने में देर हो गई। दूत, जाओ और पता लगाओ इसका क्या कारण है?

(दूत सिर झुकाकर चला जाता है; कुछ देर बाद वापस आता है।)

दूत : महाराज, मंत्री जी अपने घर पर हैं। वे कहते हैं कि वह अपना भोजन पका रहे हैं और उन्हें ऐसा करने में लम्बा समय लगेगा।

अकबर : *(गुस्से में)* क्या बकवास है! भोजन पकाने में इतना समय कैसे लग सकता है? मैं खुद जाता हूँ और देखता हूँ।

(उठते हैं और शीघ्रता से चलते हैं, पीछे-पीछे कुछ दरबारी और सुरक्षाकर्मी जाते हैं।)

दृश्य-7

(बीरबल जमीन पर आग के समीप बैठा है और उसके काफी ऊपर तीन लट्ठों पर संतुलन बनाए हुए, हाँडी लटक रही है। जैसे-ही सम्राट पहुँचते हैं, बीरबल उठता है और उनके सामने सिर झुकाता है।)

अकबर : बीरबल! ये कैसी बेवकूफी है यह आग तुम्हारी हाँडी को कैसे गर्म करेगी?

बीरबल : *(अपनी आँखें टिमटिमाते हुए)* उसी प्रकार, महाराज, जिस प्रकार आप के महल की रोशनियों ने नदी के पानी को गर्म किया था।

(अगले दिन अकबर के दरबार में। धोबी और उसका परिवार उपस्थित हैं। अकबर सिक्कों की तस्तरी बीरबल को देता है जिसे वो धोबी को दे देता है। लोग खुश होते है और ताली बजाते हैं। धोबी मुस्कराते हुए सम्राट के सामने सिर झुकाता है।)

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (a).

II. Answer the following questions :

1. Birbal was Akbar's minister.

2. Akbar wanted to test the strength of the common man in his kingdom who could in water for one whole night.

3. To the people, the drummer announced that anyone who would stand one night in the river near the palace will be richly rewarded by great Akbar.

4. The washerman won the test set by Akbar.

5. Akbar did not reward him first because a jealous courtier said that the man does not deserve the reward because the water was not really cold as the lights from palace kept him warm.

6. Birbal cooked the food in a cooking pot which is balanced on tall sticks far above the fire. This made Akbar realise that light from so far cannot warm the water of river.

III. "What a foolish thing to do!"

1. He said it to Birbal.

2. Akbar said these words.

3. Birbal is sitting near a fire on the ground waiting a food to be cooked in a pot which is placed for above on tall sticks.

Language Skill Practice

IV. Rearrange the letters and correct the spellings :

ngith	**night**	laiev	**alive**	rlefie	**relief**
plcaea	**palace**	tiwnlke	**twinkle**	sruivev	**survive**
alpcae	**palace**	cahnec	**chance**	ofoihsl	**foolish**
laone	**alone**				

V. Match the words with their opposites :

survive	**die**
cry	**laugh**
foolish	**clever**
brave	**coward**
before	**after**
empty	**occupied**
richly	**poorly**
stop	**move**

Keep in Mind!

VI. Some words sound the same but they have diferent meanings. Read the following pairs of words and fill in the blanks with the correct words :

1. piece, peace, **2.** maid, made, **3.** breaks, brakes.

VII. Match the persons to the work that they do :

1. nurse	**takes care of sick people.**
2. waiter	**serves food in a restaurant.**
3. messenger	**carries messages.**
4. poet	**writes poems.**
5. farmer	**grows crops on his farm.**
6. artist	**paints pictures.**

24. India's Antarctica Expedition

हिन्दी अनुवाद

भारत को इस बात का गर्व है कि वह अंटार्कटिका द्वीप पर जाने वाला प्रथम विकासशील देश है। भारत का प्रथम दल 9 दिसम्बर, 1981 को वहाँ पर पहुँचा। अंटार्कटिका द्वीप को 'जमा हुआ द्वीप' भी कहते हैं। उसे ऐसा इसलिए कहा जाता है क्योंकि वहाँ पर अत्यधिक ठण्ड है।

भारत का प्रथम अभियान दल वहाँ दिसम्बर में इसलिए पहुँचा क्योंकि सूक्ष्म अंटार्कटिका ग्रीष्म वहाँ प्रत्येक वर्ष नवम्बर-दिसम्बर में आती है। यह द्वीप अपनी बर्फीली तेज हवाओं और खतरनाक मौसम के लिए विख्यात है। वास्तव में जो संक्षिप्त ग्रीष्म नवम्बर-दिसम्बर में आती है, इस जमे हुए द्वीप पर जाने को दलों के लिए सही समय है। इस जमे हुए द्वीप पर वर्ष 1981 का भारतीय अभियान दल का पहुँचना भारतीय विज्ञान और तकनीक में लम्बी छलाँग थी।

अंटार्कटिका में जाने वाले प्रथम भारतीय दल ने इस द्वीप और उसके पड़ोसी समुद्रों पर खोज आरम्भ कर दी। प्रथम दल की साहसिक सफलता से विश्वास प्राप्त कर, 28 सदस्यों का एक दूसरा भारतीय दल वर्ष 1982 में इस जमे हुए द्वीप पर गया। दूसरे दल ने इसमें सुधार किया और प्रथम दल द्वारा की गई खोज को आगे ले गए। 28 दिसम्बर, 1982 को दूसरा दल अंटार्कटिका पहुँचा और 21 मार्च, 1983 को वापस आया और 24,000 किलोमीटर चलते हुए 110 दिन की यात्रा पूर्ण की।

दूसरे दल के सदस्य वातावरण जैविक भूगर्भशास्त्रीय विज्ञान पर केन्द्रित रहे। दल ने बर्फ से ढके द्वीप के चारों ओर घूमकर जाँच की तथा स्थिर अनुसंधान कार्यालय के लिए स्थल का चयन किया। दल ने महाद्वीपों के खिसकने के सिद्धान्त का भी परीक्षण किया, जिसके अनुसार अंटार्कटिका और भारत एक समय जुड़े हुए थे और एक ही जमीन के हिस्से थे।

6 जनवरी, 1983 को प्रथम बेस कार्यालय पर भारतीय झण्डा फहराया गया। दल ने पूर्व इतिहास और अंटार्कटिका के प्राचीन जीवन के सम्बन्ध में जानकारी जुटाने के लिए जीवाश्म एकत्रित किए। दूसरे दल के प्रभारी और उप-प्रभारी क्रमशः वी०के० रैना और सी०आर०

श्रीधरन थे। दूसरे दल के प्रयासों से ही भारत और अंटार्कटिका के मध्य वायु संपर्क बन सका। दक्षिण गंगोत्री के पीछे तक वायु पट्टी स्थापित की गई है।

भारत का तीसरा दल अंटार्कटिका पर 27 दिसम्बर, 1983 को पहुँचा, जिसमें 81 सदस्य थे। वे एक बड़ी नाव में वहाँ पहुँचे जिसका नाम फिन पोलारिस था और जो यूरोपीय देश से ली गई थी। दल ने पूर्व नियोजित अनेक परीक्षण किए। दल 29 मार्च, 1984 को वापस आ गया।

तीसरे दल द्वारा प्राप्त की गई मुख्य उपलब्धियाँ हैं—दक्षिण गंगोत्री स्टेशन का भारतीय जहाजों से दूर संचार प्रणाली द्वारा सम्पर्क सूत्र स्थापित करना तथा रेडियो का 10 जनवरी, 1984 को 50 स्टेशनों के साथ सम्पर्क-सूत्र स्थापित करना।

अंटार्कटिका द्वीप खनिजों के क्षेत्र में काफी धनी है। यह जानना रोचक है कि विश्व के देशों को कितनी भी मात्रा में खनिज ले जाने की अनुमति है। यह जमा हुआ द्वीप परमाणु मुक्त क्षेत्र है। मिलिट्री बेस स्थापित करने की किसी भी देश को अनुमति नहीं है। मुख्य उद्देश्य अंटार्कटिका से खनिज ले जाना और विज्ञान का विकास करना है।

जमे हुए द्वीप का तापमान शून्य से नीचे 11°C और 50°C के बीच में रहता है। रूसवासियों ने इसे शून्य से नीचे 88°C भी रिकॉर्ड किया है। अंटार्कटिका के तापमान को बाधित करने के लिए फैक्ट्रियों और उद्योगों के निर्माण की सलाह नहीं दी जा सकती क्योंकि इन निर्माणों द्वारा उत्पन्न ऊष्मा से बर्फ पिघल जाएगी। यदि बर्फ पिघली, समुद्र का जल स्तर 50 मीटर तक बढ़ जाएगा, जो बंदरगाह वाले शहरों जैसे मुम्बई और कोलकाता के लिए अत्यधिक घातक सिद्ध होगा।

17 देशों द्वारा एक अंटार्कटिका संधि पर हस्ताक्षर किए गए हैं, जिसका उद्देश्य अंटार्कटिका के दलों के प्रभावशाली पहलुओं को देखना और उनका ध्यान रखना है। भारतीय दल द्वारा इस जमे हुए द्वीप पर प्राप्त सफलता का अन्त नहीं हुआ है। हम चाहते हैं कि अधिक-से-अधिक हमारे देश के खोजी दल अंटार्कटिका जाएँ और विस्तार से इस जमे हुए द्वीप पर मानवता के लाभ के लिए खोज करें।

Exercise

Comprehension

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (a), **2.** (b), **3.** (b).

II. Fill in the blanks :

1. V.K. Raina, **2.** 24,000, 110, **3.** 1983, **4.** Finn Polaris, **5.** 17.

III. Answer the following questions :

1. Antarctica is called the 'Frozen Continent' because it is extremely cold freezing land.

2. The first Indian expedition chose to go to Antarctica during November-December because it is the ideal time for landing on the frozen continent.

3. The second team focused its research on the atmosphere, biological and geological sciences.

4. The major achievements that were achieved by the third expedition was that they established a telecommunication link connecting

Dakshin Gangotri station with Indian ships and the base camps besides establishing a link of amateur radio with 50 stations.

5. It is never advisable to disturb the Antarctica temperature by building factories or establishing industries as this will cause the ice to melt owing to the heat emitted by these establishments. If the ice melts, the sea level would go up to 50 metres which would prove dangerous to coastal cities like Mumbai, Kolkata etc.

Language Skill Practice

IV. Complete the spellings :

blizzard, endeavour, benefit, precarious, expedition, geological, temperature, establishment, survey.

V. Match the words with their meanings :

frozen	**covered with ice**
blizzard	**very cold snow-storms**
precarious	**dangerous**
voyage	**journey**
endeavour	**to try**
emit	**to throw out**
expedition	**adventurous voyage**
establish	**set up**

Keep in Mind!

VI. Complete the passage by filling the blanks with the words given in the box :

Mount Everest is the **highest** peak of the world. Many **expeditions** have been made to it. While climbing Mount Everest, one has to face **blizzards** and **precarious** weather. They have to make **base camps** at several places. The first person who climbed Mount Everest was **Tensing Norgey,** who reached the highest point of the earth on **May 29, 1953.**

Half Yearly Test Paper

(Based on Chapter 1-12)

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (c), **2.** (c), **3.** (c), **4.** (a), **5.** (b), **6.** (c).

II. Fill in the blanks :

1. Kabul, **2.** happy, **3.** robbed, **4.** charak, **5.** Dharma.

III. Tick (✓) or cross (✗) against each sentence :

1. F, **2.** F, **3.** T, **4.** F, **5.** F.

IV. Answer the following questions :

1. As long as we are effluent everyone will be our friend.

2. Roy had donated his blood and saved the life of Rohit.

3. Robin Hood tok out his horn and to call his followers blew it three times.

4. Rahman was sent to jail because he had struck somebody who owed him money for a shawl but had denied buying it.
5. By giving up anger, one shall no longer remain grief stricken.

V. Match the words given in 'A' with their opposites in 'B' :

'A'	'B'
known	unknown
beautiful	ugly
fresh	stale
forgot	remember
younger	older

VI. Correct the spellings :

aernest	**earnest**	moerfed	**formed**
appare	**appear**	verendah	**verandah**
sholders	**shoulders**	doflign	**folding**

VII. Complete the spellings :

leisure, daughter, congress, nothing, marriage, patriotism

VIII. Write a paragraph on 'How can you Live Longer' :

You can live longer by staying healthy. You must lead a healthy lifestyle. You should eat fresh and nutritious food. You must play outdoor games. This will keep your body healthy by making your muscles work. It will improve your blood pressure and make the skin healthy and shiny. You must have good manners and be polite with everyone, be they your elder or youngsters. Besides, you must think positively and thank God Almighty for everything. This will keep you in good spirits and make you glow with positive healthy. This ensures that you live longer.

Annual Test Paper

(Based on Chapters 13-24)

I. Choose the most appropriate answer : (MCQs)

1. (b), **2.** (a), **3.** (a), **4.** (c), **5.** (c), **6.** (b), **7.** (b).

II. Fill in the blanks with the following words :

1. survived, **2.** place, **3.** Baghdad, **4.** innocent, **5.** 1983.

III. Tick (✓) or cross (✗) against each statements :

1. F, **2.** T, **3.** T, **4.** T, **5.** T.

IV. Answer the following questions :

1. The fir trees are dark and high. They have slender tops which was very close to the sky.
2. The seven good fairies are invited on the occasion of naming ceremony of the princess in the grand banquet to bless and grant a virtue in the little pretty princess.
3. Ganga did not agree to go to the plains because she was a little girl and she was in love with the beauty of her ice-cave.

4. Mullah was a good man because his innocent words create a funny situation and aroused laughter.

5. The washerman won the test set by Akbar.

V. Match the words given in 'A' with their meanings given in 'B' :

A	**B**
delicious	tasty
announced	declared
sting	short organ of an insect to prick
fascinated	charmed (enchanted)
harbour	a place where ships stay

VI. Correct the spellings :

vareity	**variety**	tiwnkle	**twinkle**
ngith	**night**	deleceous	**delicious**
ahborur	**harbour**	ungrhy	**hungry**

VII. Complete the spellings :

precious, friend, groom, b**lossom**, la**bur**num, blizzard.

VIII. Study these set of words. Pick out the ones that does not belong to a set :

1. competition, **2.** learner, **3.** running, **4.** sports.